मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, सोमवार, 15 जून 2026

संवत 2083, अधिक ज्येष्ठ कृष्ण प्रतिपदा 15 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 271 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 ▸▸ भारत-बांग्लादेश संबंधों में बढ़ता अविश्वास

सफलता का सफर आसान नहीं था : सुम्बुल तौकीर ◂◂ 6

घरेलू विवाद में दादी को उतारा मौत के घाट , दोनों पोते गिरफ्तार

हत्या के बाद बोरे में बंद किया शव, तीन दिन बाद खुला राज

मेट्रो रेज संवाददाता

रांची/खूंटी: जिला अंतर्गत रनिया थाना क्षेत्र स्थित बांगुरकुलम झोराटोली गांव में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक घटना सामने आई है। यहां दो पोतों ने अपनी 69 वर्षीय दादी पुटकी देवी की हत्या कर शव को प्लास्टिक के बोरे में भरकर कोयल नदी के किनारे झाड़ियों में छिपा दिया। पुलिस ने मामले में दोनों आरोपी पोतों सोनू झोरा और जतरू झोरा को गिरफ्तार कर सोमवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

मामूली विवाद बना हत्या का कारणः मृतका की पहचान पुटकी देवी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि परिवार में लंबे समय से आपसी विवाद चल रहा था। आरोप है कि घटना वाले दिन किसी बात को लेकर विवाद बढ़ गया। इसी दौरान वृद्ध महिला द्वारा ताना मारने और गाली-गलौच किए जाने पर दोनों पोते आपा खो बैठे और उनका सिर जमीन पर पटक दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

दुर्गंध फैलने से खुला राजः घटना के बाद दोनों आरोपी घबरा गए और साक्ष्य मिटाने की नीयत से शव को बोरे में बंद कर कोयल नदी के किनारे झाड़ियों में फेंक दिया। रविवार सुबह नदी की ओर गए ग्रामीणों को तेज दुर्गंध महसूस हुई। खोजबीन के दौरान झाड़ियों में पड़ा संदिग्ध बोरा मिला। बोरा खोलने पर उसके अंदर एक बुजुर्ग महिला का सड़ा-गला शव बरामद हुआ, जिसके बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।

दोनों आरोपियों ने हत्या की बात स्वीकारी : ग्रामीणों की सूचना पर रनिया थाना प्रभारी श्यामल कुंभकार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिले है, जिसके आधार पर मृतका के दोनों पोते जतरु झोरा और सोनू झोरा को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिसिया पूछताछ में दोनों आरोपियों ने हत्या की बात स्वीकार कर ली।

मामले की पुष्टि करते हुए डीएसपी विजय सिंह ने बताया कि आरोपियों ने अपने बयान में स्वीकार किया है कि विवाद के दौरान उन्होंने वृद्ध महिला का सिर जमीन पर पटक दिया था, जिससे उनकी मौत हो गई। बाद में शव को बोरे में बंद कर नदी किनारे फेंक दिया गया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की विस्तृत कानूनी जांच में जुटी हुई है।

हाइवा की चपेट में आने से युवक की मौत गुस्साए लोगों ने किया सड़क जाम

जमशेदपुरः शहर के सालगाजुड़ी क्षेत्र में हाइवा की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर दी। घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया है। हालांकि पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया है। घटना परसुडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत सालगाजुड़ी क्षेत्र की है।

बताया जा रहा है कि परसुडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत सालगाजुड़ी क्षेत्र में 25 वर्षीय सुमित मुंडा अपनी बाइक से ड्यूटी पर जा रहा था। इस दौरान तेज रफ्तार से आ रही हाइवा की चपेट में आ गया। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए और सड़क जाम कर दिया। इधर, घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय थाना प्रभारी पुलिस दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। मृतक सुमित मुंडा चांदनी चौक के पास का रहने वाला है। सड़क दुर्घटना के बाद हाइवा चालक फरार हो गया है। आक्रोशित लोग चालक की गिरफ्तारी और मुआवजे की मांग की है।

संपत्ति के लिए बेटे ने दोस्तों के साथ मिलकर की पिता की हत्या

धनबादः महुदा थाना क्षेत्र अंतर्गत कुलटांड मुख्य सड़क किनारे झाड़ियों में 65 वर्षीय शेख हलीम का गर्दन कटा शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही महुदा पुलिस और एसआईटी की टीम जांच में जुट गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 12 घंटे के भीतर मामले का खुलासा कर दिया। डीएसपी बाघमारा अजीत कुमार बिमल ने महुदा थाना में प्रेसवार्ता कर कांड के उद्भेदन को लेकर विस्तार से बताया।

अजीत कुमार बिमल ने बताया कि शेख हलीम को अपने बेटे से देखभाल को लेकर शिकायत थी और शेख हलीम अपने संपत्ति से बाहर करने की बात कई बार कही थी। जिससे नाराज होकर शेख हलीम के बेटे ने साजिश रची और अपने दोस्तों और एक अन्य के साथ मिलकर अपने पिता की हत्या करवा दी। महुदा पुलिस को सूचना मिली कि गर्दन कटी लाश बरामद हुआ है। शव की पहचान भूरूंगिया के शेख हलीम के रूप में हुई। घटना स्थल से पुलिस ने हत्यारोपी शेख शहजाद का खून लगा टीशर्ट बरामद किया है। वहीं हत्या में प्रयोग किया गया मोटर साइकिल संख्या के एच 10 सीएल 7623 बरामद किया है। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

RESIST!
REDUCING SUBSTANCE INGESTION AND STOPPING TRAFFICKING

हमारा उद्देश्य

नशा मुक्त

हो झारखण्ड प्रदेश

का FLAG -OFF कार्यक्रम

मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशेष नशा मुक्ति अभियान

15 जून से 26 जून

समय – 2:15 PM TO 2:30 PM

स्थान– झारखंड मंत्रालय, प्रोजेक्ट भवन, धुर्वा, रांची।

के द्वारा मादक पदार्थों के दुरुपयोग के दुष्परिणामों के प्रति जनमानस में जागरूकता प्रसारित करने हेतु 11 जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा।

PR No: 382363 (Home Prison And Disaster Managment) 26-27

गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड

समाचार सार

रोहितश्य रॉय बने झारखंड के नए महाधिवक्ता राजीव रंजन का इस्तीफा स्वीकार

रांचीः झारखंड के महाधिवक्ता राजीव रंजन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राजीव रंजन का महाधिवक्ता पद से दिए इस्तीफा को स्वीकार कर लिया है। इस बीच झारखंड उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता रोहितश्य रॉय को राज्य का नया महाधिवक्ता बनाया गया है। इस संबंध में राज्य के विधि विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है।

बता दें कि रंजन साल 2020 से महाधिवक्ता के रूप में सेवा दे रहे थे, जब झामुमो के नेतृत्व वाला गठबंधन सत्ता में आया था। भाजपा ने रविवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाली सरकार पर राज्य में 'म्यूजिकल चेयर का खेल' खेलने का आरोप लगाते हुए कहा कि यहां संवैधानिक पद पर बैठे किसी भी व्यक्ति का भविष्य सुरक्षित नहीं है।

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अजय शाह ने एक बयान में कहा, सरकार भले ही यह छिपाने की कोशिश करे कि राजीव रंजन ने स्वेच्छा से इस्तीफा दिया है या उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर किया गया, लेकिन राज्य की जनता इस पूरे घटनाक्रम को अच्छे से समझ रही है।

जेएलकेएम की बैठक में जिला कमेटी पुनर्गठन पर चर्चा

चतराः जतराहीबाग स्थित होटल सेलिब्रेशन इन में रविवार को झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) की बैठक हुई। बैठक में केंद्रीय महासचिव फरजान खान व केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष मोतीलाल महतो मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस दौरान जिला कमेटी के पुनर्गठन को लेकर चर्चा की गयी तथा विभिन्न नामों पर प्रस्ताव पारित कर मुख्य अतिथि अपने साथ ले गये। बताया गया कि केंद्रीय अध्यक्ष सह डुमरी विधायक जयराम महतो जिला कमेटी के पुनर्गठन की अंतिम घोषणा करेंगे। मुख्य अतिथियों ने कार्यकताओं को अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़कर संगठन मजबूत करने का निर्देश दिया। मौके पर जिलाध्यक्ष कैलाश महतो, नगर अध्यक्ष सुनील कुमार, जितेंद्र राम, अशोक भारती, सरिता देवी समेत कई उपस्थित थे।

महिलाओं ने चलाया शराबबंदी अभियान

बोकारो : चास के झारनामुड़ी में महिलाओं ने शराबबंदी अभियान चलाया। चास प्रखंड अंतर्गत काशीझरिया पंचायत के झारनामुड़ी गांव में रविवार को महिलाओं ने शराबबंदी अभियान चलाया। इसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। जागरूकता रैली निकाल कर लोगों को शराब छोड़ने और स्वस्थ, सुखी व समृद्ध जीवन अपनाने का संदेश दिया। इस दौरान ग्रामीणों को शराब के दुष्प्रभावों से अवगत कराया व शराब पीने और बनाने वालों से इस कार्य को बंद करने की अपील की गयी। कहा कि शराब के कारण परिवारों में आर्थिक, सामाजिक एवं मानसिक समस्याएं बढ़ रही हैं।

दी कार्रवाई की चेतावनी : महिलाओं ने चेतावनी देते हुए कहा कि यह अभियान पंचायत के सभी गांवों में चलाया जायेगा और लोग शराब बनाने व सेवन करने से बाज नहीं आये तो कानून का सहारा लेकर सख्त कार्रवाई कराने की पहल की जायेगी। अभियान का नेतृत्व कर रहीं पूर्व पंसस बैजंती देवी व रीना देवी ने कहा कि इस दौरान उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता और शिक्षा की कमी के कारण नशापान की प्रवृत्ति बढ़ रही है। परिवार की सीमित आय का बड़ा हिस्सा शराब पर बरबाद हो रहा है। इससे बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवार के भरण-पोषण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। नशा केवल एक व्यक्ति का जीवन ही बर्बाद नहीं करता, बल्कि पूरे परिवार को संकट में डाल देता है। उन्होंने ग्रामीणों से नशामुक्त समाज के निर्माण में सहयोग करने तथा युवाओं को नशे से दूर रखने की अपील की। अभियान में कमला देवी, सची देवी, रेखा देवी, दीपिका कुमारी, मंजू देवी, रूपा देवी, वकील कोड़ा, रमेश कोड़ा, अनुज कोड़ा, अर्जुन कोड़ा, मेघनाथ कोड़ा, उत्तम कोड़ा, सचिन कोड़ा, बारी देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल थे।

सहोदया के नये महासचिव बनाये गये बृजमोहन

बोकारो : सहोदया के नये महासचिव बृजमोहन बनाये गये।

डॉ राधाकृष्णन सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स बोकारो की ओर से आमसभा सह विदाई समारोह का आयोजन शनिवार की देर शाम को चास में किया गया। मौके पर सहोदया के पूर्व महासचिव बिस्वजीत पात्रा को विदाई दी गयी। उनके सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया गया। सर्वसम्मति से पिट्स मॉडर्न स्कूल, गोमिया के प्राचार्य बृज मोहन लाल दास को नया महासचिव चयनित किया गया। समारोह की अध्यक्षता कर रहे संगठन के अध्यक्ष डॉ एएस गंगवार ने सहोदया के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने व विद्यालयों के बीच आपसी सहयोग व समन्वयन की भावना सुदृढ़ करने पर बल दिया। उपाध्यक्ष प्राचार्या पी शैलजा जयकुमार ने पूर्व आमसभा की कार्यवाही, संगठन की गतिविधियों व भावी योजनाओं से संबंधित बिंदुओं पर प्रकाश डाला। मौके पर प्रमुख शैक्षणिक पहलों, संगठनात्मक विषयों व भविष्य की सहयोगात्मक योजनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। समारोह में अभिषेक कुमार, डॉ डीएन प्रसाद, सिस्टर कमला पॉल, अक्षत कुमार, मनीषा तिवारी, डॉ करुणा प्रसाद उपस्थित थे।

एसआईआर को लेकर गिरिडीह में झामुमो का शक्ति प्रदर्शन, कल्पना सोरेन ने कार्यकर्ताओं को किया सतर्क

संवाददाता

रांची/ गिरिडीह : विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा ने रविवार को गिरिडीह के उत्सव उपवन सभागार में बीएलए-दो प्रशिक्षण शिविर सह बूथ स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया। जिला अध्यक्ष संजय सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में जिले की सभी छह विधानसभा क्षेत्रों के प्रखंडों से बड़ी संख्या में बीएलए-दो, बूथ कमेटी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से न कटे और एक भी फर्जी मतदाता सूची में शामिल न हो। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं से जुड़े मामलों में सावधानी बरतने की अपील करते हुए कहा कि विवाह के कारण महिलाओं का निवास और पहचान संबंधी दस्तावेज बदलते रहते हैं। ऐसे में बूथ कमेटियां अभी से आवश्यक दस्तावेजों को व्यवस्थित कराने में जुट जाएं, ताकि किसी महिला मतदाता को परेशानी न हो।

नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा करना संगठन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि एसआईआर के इस अभियान में बूथ स्तर पर पूरी सतर्कता के साथ काम करना होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि झामुमो संगठन अपनी मजबूत जमीनी पकड़ के बल पर इस चुनौती का भी सफलतापूर्वक सामना करेगा।

'पार्टी एसआईआर प्रक्रिया को लेकर पूरी तरह गंभीर' : झामुमो के केंद्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि पार्टी एसआईआर प्रक्रिया को लेकर पूरी तरह गंभीर है। बूथ कमेटियों से लेकर केंद्रीय नेतृत्व तक हर स्तर पर इसकी निगरानी की जा रही है, ताकि कोई पात्र मतदाता वंचित न रहे और कोई अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो सके।

शहीद बुली महतो के संघर्ष और बलिदान को मिले सम्मानः देवेन्द्र नाथ महतो

संवाददाता

मुरीः स्वतंत्रता सेनानी एवं कोल विद्रोह के महानायक अमर शहीद बुली महतो के शहादत दिवस पर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा सोनाहातू के तत्वावधान में सोनाहातू स्थित पार्टी कार्यालय से बुली महतो चौक तक भव्य पदयात्रा का आयोजन किया गया। पदयात्रा के दौरान पुराना प्रखंड कार्यालय के समीप स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। इसके पश्चात कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक भकुआ डीह चौक तक पदयात्रा करते हुए पहुंचे, जहाँ अमर शहीद बुली महतो की प्रतिमा के समक्ष पारंपरिक रीति-रिवाज एवं विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर माल्यार्पण किया गया तथा उनके अद्वितीय बलिदान को स्मरण किया गया।

इस अवसर पर शहीद बुली महतो के वंशज प्रसिद्ध महतो, संजय महतो, अर्जुन महतो, भीमसेन महतो, लक्ष्मण महतो, भागीरथ महतो, साधुचरण महतो, मोहिनी देवी, सरस्वती देवी, उमावति देवी, द्रौपदी देवी एवं गणेश महतो को सम्मानित किया गया। महासचिव पंचम एक्का, मांडर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी गुना भगत, संगठन महासचिव मनीष साहु, केंद्रीय सचिव निवेदिता महतो, जिला अध्यक्ष पार्वती महतो, जिला उपाध्यक्ष शिल्पा महतो एवं दीपिका रजक को माला पहनाकर कर सम्मानित किया गया। संजय, महेश ,जाकिर, सीरिया महतो ,विनोद महतो समेत पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर केन्द्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ महतो ने कहा कि अमर शहीद बुली महतो का जीवन संघर्ष, स्वाभिमान और जन-अधिकारों की रक्षा का प्रतीक है। उनका बलिदान हमें अपनी संस्कृति, इतिहास और अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव प्रेरित करता रहेगा। हमें उनके विचारों और संघर्षों को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का संकल्प लेना चाहिए, ताकि समाज अपने गौरवशाली इतिहास से परिचित हो सके।

उन्होंने कहा कि शहीदों की स्मृति को जीवित रखना और उनके आर्दशो पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। समाज में शिक्षा, संगठन, जागरूकता और एकता को मजबूत बनाकर ही शहीदों के सपनों का झारखंड बनाया जा सकता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में गदाधर महतो, रंजीत महतो, अजय महतो, बिनोद महतो, भागीरथ महतो सहित अनेक कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम का समापन शहीद बुली महतो के सम्मान में नारे लगाते हुए तथा उनके आर्दशों पर चलने के संकल्प के साथ किया गया।

एनके एरिया सीआईएसएफ कैंप में रक्तदान शिविर का आयोजन

प्रवेश चौहान

खलारीः विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर एनके एरिया सीआईएसएफ कैंप परिसर में रविवार को सिविल सोसाइटी खलारी के तत्वावधान में 32वें रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्घाटन सीआईएसएफ के कमांडेंट अमित कुमार ने किया और दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया इस अवसर पर सीआईएसएफ के जवानों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए रक्तदान किया और मानवता की सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। शिविर में बड़ी संख्या में जवानों एवं अन्य लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को सहायता के लिए अपना योगदान दिया। आयोजकों ने रक्तदाताओं के उत्साह और सामाजिक सरोकार की भावना की सराहना की।

कार्यक्रम के दौरान रक्तदाताओं को मोमेंटो एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। सीआईएसएफ के कमांडेंट अमित कुमार ने कहा कि रक्तदान महादान है और इससे अनेक लोगों का जीवन बचाया जा सकता है थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को रक्त की कमी नहीं होनी चाहिए जरूरत पड़ी तो और रक्तदान शिविर लगाकर हम लोग रक्त संग्रह करेंगे और उन्होंने समाज के सभी वर्गों से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील की।शिविर के सफल आयोजन पर सिविल सोसाइटी के पदाधिकारियों ने सीआईएसएफ के जवानों चिकित्सकीय टीम तथा सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

राहे में सुंडी शौंडिक समाज की बैठक

संगठन की सक्रियता व जागरूकता को लेकर अभियान का शुभारंभ

संवाददाता

मुरीः पंच परगना सुंडी संघ रांची ने संगठन की सक्रियता एवं जागरूकता को लेकर अभियान की शुरूआत दिनांक 14 जून दिन रविवार को राहें प्रखंड सिल्ली थाना के सोसो, लाघुप एवं बसंतपुर गांव से की है। संघ के सचिव उपेन्द्र कुमार साहु एवं उपाध्यक्ष मनोज कुमार साहु ने बताया कि सर्व प्रथम पूर्वाह्न 11 बजे सोसो गांव का दौरा कर वहां के वरिष्ठ समाजसेवि मिलन साहु की अध्यक्षता में सुंडी शौंडिक ग्रामीणों के जुटान एवं बसंतपुर में श्रीधर साहु की अध्यक्षता में सुंडी शौंडिक समाज की बैठक आयोजित कर बंसिया, लघुप,सोसो एवं बसंतपुर चारों गांव को एक मंच एक छतरी और एक विचार को पालन कर जल्द ही सभी गांवों को लेकर एक संगम बैठक आयोजित किया जाएगा। बैठक में चर्चा हुई कि पहले जैसा अगल बगल के गांव से कोई भी सामाजिक सांस्कृतिक कार्य में मित्र कुटुम्ब का आवा जाही पहले के तरह पुनः शुरूआत करने पर आत्मीय चर्चा हुई थी साथ ही आपसी मन मुटाव को कोर्ट कचहरी न जाकर सामाजिक मध्यस्थता से दोनों पक्षों को बैठाकर सुलझाते हुए आपसी सामंजस्य स्थापित कर झगड़ा झंझट खत्म करने का समाज सामूहिक रूप से निर्णय लेकर समाधान का प्रयास करेगा। ग्रामीण क्षेत्र भ्रमण पर गए पंच परगना सुंडी संघ के सचिव उपेन्द्र कुमार एवं उपाध्यक्ष मनोज कुमार साहु संयुक्त रूप से बताया कि सोसो के बैठक में मिलन साहु, बद्री नाथ साहु, दीपक कुमार साहु, डा सूरज प्रसाद साहु, जगबंधु साहु, मनोज कुमार साहु, प्रकाश साहु, सुगेन साहु, ब्रजेश साहु, प्रो इन्द्रनाथ साहु, जितेंद्र साहु, विकास कुमार साहु, राजेश कुमार साहु, बसंतपुर की बैठक में श्रीधर साहु, अनूप कुमार साहु, दीपक साहु, राकेश साहु, मुरलीधर साहु, रवींद्र साहु, उमाचरण साहु, विवेक साहु, जगबंधु साहु, जोति प्रकाश साहु, दीपक कुमार साहु, राजेन्द्र प्रसाद साहु जैसे अनेक लोगों ने बैठक में उपस्थित होकर समाज के सर्वांगीण विकास के लिए एक होने का संदेश दिया है। आज के ग्रामीण क्षेत्रों के दौरे में सामूहिक रूप से निकले उपेन्द्र कुमार साहु, जगबंधु साहु, प्रो इन्द्रजीत साहु, मनोज कुमार साहु एवं दीपक कुमार साहु ने बताया कि ये दौरा आगे भी बचे हुए गांव के भ्रमण जारी रखेगा और सामाजिक उत्थान एवं विकास के लिए कार्य करेगा।

हजारीबाग में स्थाई क्षेत्रीय निदेशक नहीं, आठ महीने से पशुपालन पदाधिकारी का पद खाली

हजारीबाग : जिले के पशुपालन विभाग में स्थाई रूप में और लंबे समय से क्षेत्रीय निदेशक का पद खाली है। 2024 से क्षेत्रीय निदेशक का कार्य प्रभार में है। कह सकते हैं कि नियमित रूप से क्षेत्रीय निदेशक के नहीं रहने से सभी सात जिले हजारीबाग, चतरा, कोडरमा, गिरिडीह, बोकारो, धनबाद और रामगढ़ में विभागीय योजनाओं का समय पर संचालन इसके क्रियान्वयन से लेकर मॉनिटरिंग यानी देखरेख पर सवाल उठ रहे हैं।

2024 से क्षेत्रीय निदेशक पद खालीः 2024 के बाद से लगातार क्षेत्रीय निदेशक का पद खाली है। वर्तमान समय डॉ मुकेश कुमार सिंहा प्रभारी क्षेत्रीय निदेशक है। इनकी मूल पोस्टिंग हजारीबाग में ही स्थित प्रांतीय पशु औषधालय में पशु शल्य चिकित्सक के पद पर है। यह पशु औषधालय शहरी क्षेत्र के कल्लू चौक के समीप मौजूद है।

योजनाएं प्रभावितः पशुपालन विभाग से ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों को समय पर मिलने वाली योजनाएं अधिकारियों के नहीं रहने से प्रभावित है। सात जिलों में खासकर बॉयलर मुर्गी वितरण योजना से लेकर शुअर विकास, बैकयार्ड मुर्गी, बकरा विकास, बत्तख चूजा सहित जोडा बैल वितरण कार्यक्रम चल रहा है। पशु टीकाकरण भी प्रमुख योजनाओं में शामिल है। कह सकते हैं कि क्षेत्रीय निदेशक के नहीं रहने से योजनाओं की समीक्षा जुगाड़ माध्यम से हो रही है।

जिला पशुपालन पदाधिकारी नहींः 31 अक्टूबर से स्थाई रूप में जिला पशुपालन पदाधिकारी का पद खाली है। बरही गोरिया करमा प्रोजेक्ट के प्रबंधक डॉ संजीव कुमार प्रभारी जिला पशुपालन पदाधिकारी के पद पर कार्य कर रहे हैं।

प्रभारी अधिकारियों से संपर्क असफल : प्रभारी क्षेत्रीय निदेशक डॉ मुकेश कुमार सिंहा से संपर्क का प्रयास किया गया। लेकिन उनके मोबाइल नंबर पर इनकमिंग बंद मिला। प्रभारी जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ संजीव कुमार ने बताया विभागीय कार्य सहीत चालू योजनाओं को बेहतर तरीके से पूरा किया जा रहा है।

राज्यसभा चुनाव से पहले प्रकाश राम की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म

मेट्रो रेज

रांचीः झारखंड में राज्यसभा चुनाव से ठीक पहले भाजपा विधायक प्रकाश राम की तबीयत खराब होने की खबर ने राजनीतिक हलकों में चर्चाओं को तेज कर दिया है। सामान्य तौर पर किसी विधायक की बीमारी स्वास्थ्य संबंधी विषय होती है, लेकिन जब मामला राज्यसभा चुनाव जैसा हो, जहां हर एक वोट की अहमियत होती है, तब यह घटनाक्रम राजनीतिक महत्व भी हासिल कर लेता है।

क्यों महत्वपूर्ण है प्रकाश राम का स्वास्थ्य? : राज्यसभा चुनाव में विधायकों के वोट के आधार पर उम्मीदवारों की जीत-हार तय होती है। ऐसे में यदि कोई विधायक मतदान में शामिल नहीं हो पाता है, तो इसका सीधा असर राजनीतिक दलों की रणनीति और गणित पर पड़ सकता है। भाजपा के लिए प्रकाश राम का वोट महत्वपूर्ण माना जा रहा है,

इसलिए उनकी तबीयत को लेकर पार्टी लगातार नजर बनाए हुए है।

2008 की यादें फिर हुईं ताजाः प्रकाश राम का नाम पहली बार राज्यसभा चुनाव के संदर्भ में चर्चा में नहीं आया है। वर्ष 2008 में जब वे झारखंड विकास मोर्चा (जेवीएम) में थे, तब राज्यसभा चुनाव के दौरान क्रॉस वोटिंग को लेकर उनका नाम चचाओं में रहा था। उस समय जेवीएम प्रमुख बाबूलाल मरांडी को अपनी ही पार्टी के कुछ विधायकों की कथित अलग लाइन के कारण राजनीतिक झटका लगा था। उस चुनाव ने झारखंड की राजनीति में दल-बदल, क्रॉस वोटिंग और राजनीतिक निष्ठा पर बड़ी बहस छेड़ दी थी।

क्या इस बार भी बन सकता है बड़ा मुद्दा? : हालांकि वर्तमान परिस्थिति पूरी तरह अलग है और प्रकाश राम अब भाजपा के विधायक हैं, लेकिन राज्यसभा चुनाव से पहले उनकी बीमारी की खबर ने राजनीतिक अटकलों को जन्म दे दिया है। विपक्ष और सत्ता पक्ष दोनों उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। यदि वे मतदान के दिन उपस्थित रहते हैं तो मामला सामान्य रहेगा, लेकिन किसी कारणवश अनुपस्थिति की स्थिति में राजनीतिक समीकरणों पर असर पड़ सकता है।

भाजपा की चिंता और विपक्ष की नजरः भाजपा नेताओं का कहना है कि प्रकाश राम की स्थिति स्थिर है और पार्टी को उम्मीद है कि वे जल्द स्वस्थ होकर चुनावी प्रक्रिया में हिस्सा लेंगे। दूसरी ओर विपक्ष भी पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है, क्योंकि राज्यसभा चुनावों में कई बार छोटे घटनाक्रम भी बड़े राजनीतिक परिणामों का कारण बन जाते हैं।

प्रकाश राम की बीमारी फिलहाल स्वास्थ्य संबंधी मामला है, लेकिन राज्यसभा चुनाव की संवेदनशील पृष्ठभूमि में यह राजनीतिक चर्चा का विषय बन गया है। 2008 के राज्यसभा चुनाव की यादों और वर्तमान चुनावी गणित को देखते हुए यह घटनाक्रम आने वाले दिनों में और अधिक सुर्खियां बटोर सकता है। फिलहाल सबकी निगाहें उनकी स्वास्थ्य रिपोर्ट और मतदान के दिन उनकी उपलब्धता पर टिकी हुई हैं।

रोहितस्य रॉय बने झारखंड के नये महाअधिवक्ता, ली शपथ

मेट्रो रेज

रांची : झारखंड हाईकोर्ट के अधिवक्ता रोहितस्य रॉय ने सोमवार को राज्य के नए महाधिवक्ता के रूप में पदभार ले लिया। उन्हें रविवार को राज्य का महाधिवक्ता नियुक्त किया गया था। उनसे पहले राजीव रंजन राज्य के महाधिवक्ता थे. उन्होंने रविवार को ही अपना इस्तीफा दिया था। रोहितस्य रॉय झारखंड के अब तक के सबसे युवा महाधिवक्ता हैं। उन्होंने सिर्फ लगभग 45 वर्ष की उम्र में ही हाईकोर्ट के एक सामान्य वकील से महाधिवक्ता के पद तक का सफर तय किया है।

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री से मिलीं आईएएस प्रोबेशनर आस्था शरण

रांचीः जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री से 2025 बैच की आईएएस प्रोबेशनर आस्था शरण ने शिष्टाचार मुलाकात की। जिला प्रशिक्षण के लिए रांची में योगदान देने के बाद उन्होंने उपायुक्त से भेंट कर प्रशिक्षण अवधि से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

उपायुक्त ने किया स्वागत, दीं शुभकामनाएंः मुलाकात के दौरान उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने आस्था शरण का स्वागत करते हुए उन्हें प्रशिक्षण अवधि के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशिक्षण प्रशासनिक अधिकारियों के लिए जमीनी स्तर पर शासन और प्रशासन की कार्यप्रणाली को समझने का महत्वपूर्ण अवसर होता है।

द ग्रेट इंडियन मूवी सीरीज के तहत रविवार की शाम सुपरहिट मूवी 'धुरंधर' के नाम रही

मेट्रो रेज

रांचीः एक्वा वर्ल्ड,रांची मछली घर में आयोजित हॉलीडे स्पेशल विशेष कार्यक्रम श्रृंखला अब अपने अंतिम चरण पर है। रविवार को द ग्रेट इंडियन मूवी सीरीज के तहत सुपरहिट फिल्म धुरंधर को समर्पित रहा। विपुल नायक के निर्देशन में और देव ज्योति नाहा के संयोजन में दीपांजलि के बच्चों व अन्य ने धुरंधर के गीतों पर शानदार नृत्य प्रस्तुत किया। विपुल नायक की टीम में विपुल नायक , डेविड, अनंतिका, आस्वी, तृषा रॉय चौधरी, प्रिशाश्री, स्वस्ति चटर्जी, नीवा चोपड़ा, सांविका गोयल, अनिका आनंद, राजवी राज, नव्यता, पियुषा, अक्षिणी व अन्य शामिल थे। इसके अतिरिक्त लोगों ने धुरंधर के किरदार रहमान डकैत के कट आउट के साथ सेल्फी खिंचवाई।कार्यक्रम की शुरूआत विपुल नायक के डांस परफॉर्मेंस से हुई जिसमें

उन्होंने लता मंगेशकर के प्रति श्रद्धांजलि पेश की। मिक्स्ड एलिमेंट्स डांस कंपनी ने धुरंधर टाइटल सॉन्ग आरोही, एंजल, शान्वी, हास्विका, अनन्या, निशिका, हर्ष, वाणी, अरियाना, माहिरा, अनिका, अर्चिता, दीप्ति चंद्रकला मिश्रा, निवेदिता, मधु, रूमी, पूनम। रिया कुमारी - नाल नचना,संजना कुमारी - शरारत,मानसी सिंह - जाइए सजना, सीबीएस क्रू मैशअप । अनंतिका रॉय - गहरा हुआ, रियान मजूमदार, सान्वी मजूमदार, गायत्री, व अन्य ने डांस प्रस्तुत किया।

आज के आयोजन में मुख्य रूप से एक्वा वर्ल्ड की डिप्टी चेयरपर्सन डॉ विद्या झा, विपुल नायक, धीरज, सुमित, संतोष, देव जीत नाहा (डीजे सर), लोकेश कुमार, आनंद, जीतू व अन्य उपस्थित थे। समर हॉलीडे श्रृंखला अगले रविवार को फादर्स डे कार्यक्रम के साथ समाप्त हो जाएगा।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश पदाधिकारियों की मासिक बैठक संपन्न

पूर्व के कार्यक्रमों की समीक्षा, भावी कार्यक्रमों की योजना पर हुई विस्तृत चर्चा

मेंट्रो रेज

रांचीः भाजपा प्रदेश कार्यालय में आगामी संगठनात्मक एवं जनसरोकार से जुड़े कार्यक्रमों के निमित्त प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू की अध्यक्षता में पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के झारखंड प्रवास के दौरान मिले निदेशों के अनुपालन को लेकर झारखंड भाजपा पूरी तरह तत्पर है। वहीं राष्ट्रीय अध्यक्ष से मिली राजनीतिक घुट्टी और मार्गदर्शन से झारखंड भाजपा नई ऊर्जा और उत्साह में दिख रही है।

बैठक के बाद मीडिया को ब्रीफिंग करते हुए प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के पदभार ग्रहण करने के पश्चात संगठनात्मक कार्यों को अधिक प्रभावी एवं परिणाममुखी बनाने के उद्देश्य से मंडल, शक्ति केंद्र, बूथ, जिला एवं प्रदेश स्तर पर नियमित मासिक बैठकों की श्रृंखला निर्धारित की गई है। इसी क्रम में प्रत्येक माह की 15 तारीख को प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक सुनिश्चित की गई है। आज से वही बैठक प्रारंभ है।

उन्होंने बताया कि बैठक में गत एक माह के दौरान संपन्न

कार्यक्रमों की समीक्षा की गई तथा आगामी कार्यक्रमों की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा हुई।

श्री बाउरी ने कहा कि आगामी दिनों में पार्टी के कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर व्यापक स्तर पर योग दिवस कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चल रहे कार्यक्रमों के अंतर्गत किसान मोर्चा द्वारा प्रत्येक जिले में जैविक (ऑर्गेनिक) खेती पर संगोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने आगे बताया कि 23 जून को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के अमर बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि एवं स्मरण कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसके अतिरिक्त 25 जून को देश में लगाए गए इमरजेंसी की वर्षगांठ के अवसर पर लोकतंत्र पर हुए प्रहार को स्मरण करते हुए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

श्री बाउरी ने कहा कि बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष के हालिया झारखंड प्रवास, हाल ही में संपन्न प्रशिक्षण वर्ग तथा प्रधानमंत्री मोदी सरकार के 12 वर्षों को लेकर चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों की भी समीक्षा की गई। साथ ही आगामी एक माह के संगठनात्मक कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह संगठनात्मक बैठक है, जिसका उद्देश्य पार्टी के कार्यक्रमों को बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करना तथा संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाना है।

प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक में आदित्य साहू के अलावा नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, नीलकंठ सिंह मुंडा, बालमुकुंद सहाय, भानू प्रताप शाही, सुनील सोरेन, मुनेश्वर साहू एवं गीता कोड़ा, प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्रा, अमर कुमार बाउरी एवं मनोज सिंह, प्रदेश मंत्री दिलीप वर्मा, शैलेन्द्र सिंह, सुनिता सिंह, अमरदीप यादव, कृष्णा महतो, अमित सिंह, मनीर उरांव एवं शालिनी बैसखियार, दीपक बंका, हेमंत दास, सूरज गुप्ता चौरसिया, शशांक राज, आरती सिंह, पवन साहू, किशुन दास, अनवर हयात मौजूद थे।

पुलिस और नगर निगम की संयुक्त टीम चला रही शहर में अतिक्रमण अभियान

मेट्रो रेज

रांची : रांची पुलिस और नगर निगम की संयुक्त टीम अतिक्रमण हटाओ अभियान चला रही है। इस अतिक्रमण हटाओ अभियान में सड़क किनारे जितने ठेले लगाए गए हैं और अतिक्रमण किया हुआ है, सभी को हटाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि मुख्य सड़कों पर अतिक्रमण के कारण हर दिन शहरवासियों को भीषण जाम से जूझना पड़ता है। एंबुलेंस और स्कूली बसे भी घंटों फंसी रहती हैं। ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू बनाने और पैदल चलने वालों के लिये मार्ग सुगम बनाने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। अवैध रूप से सैकड़ों की संख्या में दुकान सज रहे हैं। जिसके कारण अक्सर देखा गया है कि आम पब्लिक और दुकानदारों के बीच नोंक झोंक की शिकायत मिलती रहती है। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए यह अभियान चलाया जा रहा है।

नशा के विरुद्ध जागरूकता रैली

मांडरः दीनदयाल उपाध्याय कौशल केंद्र मांडर की ओर से शनिवार को नशा के विरुद्ध अभियान को लेकर जागरूकता रैली निकाली गयी। नशा के विरुद्ध नारे लिखी तख्तियों के साथ निकाली गयी जागरूकता रैली कौशल केंद्र से शुरू होकर मांडर थाना चौक, बुढ़मू मोड़ होते हुए लौटी। इस दौरान रैली में शामिल छात्राओं ने नशा एक जाल है जीवन का काल है, नशा छोड़ो जीवन से नाता जोड़ो आदि के नारे लगाये। जागरूकता रैली का उद्देश्य युवाओं व विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम के अंत में सभी छात्रों ने नशा न करने तथा दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की शपथ ली।

चुनाव हारने के बाद भी विकास कार्य जारी, सतार कॉलोनी में सड़क और नाली निर्माण से लोगों में खुशी

गुलाम शाहिद

रांची : राजधानी रांची के बरियातू स्थित सतार कॉलोनी, गली नंबर-3 में सड़क एवं नाली निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार यह विकास कार्य पूर्व पार्षद जावेद अख्तर एवं उनकी पत्नी, वार्ड संख्या-9 की पूर्व पार्षद प्रत्याशी शबाना आजमीन के प्रयासों से संभव हो सका है।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि चुनाव में पराजय के बावजूद शबाना आजमीन लगातार

जनहित के कार्यों के लिए सक्रिय हैं और क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता दे रही हैं। सड़क और नाली निर्माण कार्य शुरू होने से स्थानीय लोगों को जलजमाव, गंदगी और आवागमन की समस्याओं से राहत मिलने की उम्मीद है।

स्थानीय नागरिकों ने बताया कि लंबे समय से इस गली में सड़क और नाली निर्माण की मांग की जा रही थी। अब निर्माण कार्य शुरू होने से लोगों में खुशी का माहौल है। क्षेत्र के कई लोगों ने शबाना आजमीन और जावेद अख्तर के प्रयासों

की सराहना करते हुए कहा कि जनसेवा केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि जनता के हित में निरंतर कार्य करते रहना ही सच्ची सेवा है।

क्षेत्रवासियों ने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी इसी तरह विकास कार्य जारी रहेंगे और वार्ड की अन्य समस्याओं का भी समाधान किया जाएगा। सड़क एवं नाली निर्माण कार्य को लेकर स्थानीय जनता ने संबंधित प्रयासों की खुलकर प्रशंसा की है।

कार व स्कूटी की टक्कर में महिला की मौत

अनगड़ाः थाना क्षेत्र के बरवादाग के समीप रांची-मुरी सड़क पर रविवार को दोपहर सड़क दुर्घटना में स्कूटी सवार महिला की मौत हो गयी। मृतका की पहचान मुन्नी उरांव (49) पति स्व फूलचंद उरांव के रूप में की गयी है। मिली जानकारी के अनुसार मुन्नी उरांव स्कूटी से अपने घर महुआटोली, होटवार से अपने पैतृक गांव खपचाबेड़ा, सिल्ली पड़ोसी के अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रही थी। इसी दौरान बरवादाग के पास विपरीत दिशा से आ रही कार जेएच 05बीजेड 2078 ने उनकी स्कूटी जेएच 01सीएम 7416 को टक्कर मार दी। जिससे महिला सड़क पर गिर कर घायल हो गयी।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

टूटते भरोसे के वेंटिलेटर पर देश की परीक्षा व्यवस्था

भारत में परीक्षा अब केवल योग्यता का आकलन नहीं रह गई है बल्कि यह करोड़ों सपनों की निर्णायक कसौटी बन चुकी है लेकिन जब यही कसौटी बार-बार संदिग्ध हो जाए, जब मेहनत और ईमानदारी की जगह ह्यजुगाड़ह्न और ह्यमाफिया नेटवर्कह्न हावी हो जाएं, तब यह केवल परीक्षा का संकट नहीं बल्कि राष्ट्र के भविष्य का संकट बन जाता है। पेपर लीक के चलते नीट-यूजी 2026 परीक्षा का रद्द होना, सीबीएसई की ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली पर उठे गंभीर सवाल और एसएससी जीडी परीक्षा में धांधली, ये घटनाएं मिलकर यह साबित करती हैं कि भारत की परीक्षा प्रणाली अब गहरे संस्थागत संकट में फंस चुकी है और भारत की परीक्षा प्रणाली अब वेंटिलेटर पर है। नीट-यूजी 2026 का घटनाक्रम तो इस विफलता की सबसे भयावह तस्वीर पेश करता है। लगभग 22.79 लाख छात्रों की मेहनत, उनके परिवारों के त्याग और वर्षों की तैयारी एक झटके में शून्य हो गई। यह केवल एक परीक्षा का रद्द होना नहीं था बल्कि उस विश्वास का टूटना था, जिस पर पूरी शिक्षा व्यवस्था टिकी हुई है। इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह है कि इस बार मामला केवल बाहरी गिरोहों तक सीमित नहीं रहा बल्कि जांच में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के भीतर तक मिलीभगत के आरोप सामने आए। सीबीआई की जांच और संसदीय समिति की पूछताछ में यह संकेत मिले हैं कि प्रश्नपत्र तैयार करने और परीक्षा प्रबंधन से जुड़े कुछ अधिकारियों ने मोटी रकम लेकर चुनिंदा छात्रों तक प्रश्नपत्र पहुंचाने का काम किया। यदि ये आरोप सही हैं तो यह केवल भ्रष्टाचार नहीं बल्कि संस्थागत विश्वासघात है। जिस संस्था को निष्पक्षता की गारंटी देनी थी, वही यदि धांधली का हिस्सा बन जाए तो पूरी व्यवस्था का नैतिक आधार ही खत्म हो जाता है। नीट पेपर लीक की प्रकृति भी सामान्य नहीं थी। ह्यगेस पेपरह्न के नाम पर लगभग 150 से अधिक प्रश्नों का हूबहू मिल जाना, परीक्षा से पहले 600 अंकों तक के सवालों का प्रसार, व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स पर खुलेआम प्रश्नपत्र का घूमना, ये सब किसी संयोग का परिणाम नहीं हो सकते। यह एक संगठित, बहुस्तरीय और तकनीकी रूप से सक्षम नेटवर्क का संकेत है, जो परीक्षा प्रणाली की हर कमजोर कड़ी को भेद चुका है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि 2024 में पेपर लीक के बाद भी कोई ठोस सुधार क्यों नहीं हुआ? सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों, जांच समितियों और सिफारिशों के बावजूद 2026 में स्थिति और बदतर कैसे हो गई? इसका सीधा अर्थ है कि समस्या तकनीकी कम और इच्छाशक्ति की अधिक है। भारत की परीक्षा प्रणाली का ढ़ांचा ही कई स्तरों पर कमजोर है। प्रश्नपत्रों की छपाई से लेकर वितरण तक की प्रक्रिया में निजी एजेंसियों और आउटसोर्स कर्मचारियों की बड़ी भूमिका रहती है। यही वह जगह है, जहां से माफिया नेटवर्क अपनी जड़ें जमाता है। जब प्रश्नपत्र परीक्षा केंद्र तक पहुंचने से पहले ही स्कैन होकर डिजिटल रूप में फैल सकता है तो यह स्पष्ट संकेत है कि सुरक्षा तंत्र केवल कागजों पर मजबूत है, जमीन पर नहीं। दूसरी ओर, कोचिंग उद्योग का अनियंत्रित विस्तार इस संकट को और गहरा कर रहा है। मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाएं अब हजारों करोड़ रुपये का बाजार बन चुकी हैं। इस बाजार में ह्यसफलताह्न एक उत्पाद है, जिसे खरीदने के लिए छात्र और अभिभावक किसी भी हद तक जाने को मजबूर हैं। इसी मानसिकता का फायदा उठाकर एजुकेशन माफिया ह्यसीक्रेट पेपरह्न, ह्य100 प्रतिशत सलेक्शन गारंटीह्न और ह्यइनसाइडर एक्सेसह्न जैसे झूठे वादों के जरिए पूरे सिस्टम को खोखला कर रहा है। यदि नीट प्रकरण परीक्षा प्रणाली की सुरक्षा पर सवाल खड़ा करता है तो सीबीएसई का ओएसएम विवाद मूल्यांकन प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर चोट करता है। डिजिटल मूल्यांकन को पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से लागू किया गया था लेकिन इसके परिणाम उलटे दिखाई दिए। पास प्रतिशत में गिरावट, मेधावी छात्रों को अपेक्षा से कम अंक मिलना और स्कैन की गई कॉपियों में भारी गड़बड़ियां, ये सब इस बात के संकेत हैं कि तकनीक को बिना पर्याप्त तैयारी और परीक्षण के लागू किया गया। कई छात्रों ने शिकायत की कि उनकी कॉपियां धुंधली थी, कुछ को गलत उत्तर पुस्तिकाएं मिली और कुछ मामलों में तो पूरी कॉपी ही किसी और की थी। यह स्थिति केवल तकनीकी त्रुटि नहीं मानी जा सकती बल्कि यह सरासर गंभीर प्रशासनिक लापरवाही है। यदि एक छात्र की मेहनत को किसी दूसरे की कॉपी से बदल दिया जाए तो यह केवल गलती नहीं है बल्कि उस छात्र के भविष्य के साथ सीधा खिलवाड़ है। शिक्षा मंत्रालय और बोर्ड भले ही इन खामियों को सीमित मामलों तक बताकर पल्ला झाड़ने की कोशिश करें लेकिन छात्रों में बढ़ता असंतोष इस बात का प्रमाण है कि समस्या व्यापक है। तीसरी बड़ी घटना, एसएससी कांस्टेबल जीडी परीक्षा में धांधली, इस बात को और स्पष्ट करती है कि यह संकट किसी एक परीक्षा या संस्था तक सीमित नहीं है। उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में पेपर लीक, तकनीकी खराबी और प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण परीक्षा रद्द करनी पड़ी। ग्रेटर नोएडा में यूपी एसटीएफ द्वारा पकड़े गए रैकेट ने इस धांधली के आधुनिक रूप को उजागर किया। प्रॉक्सी सर्वर, स्क्रीन शेयरिंग ऐप्स और डमी कैंडिडेट्स के जरिए परीक्षा में हेरफेर किया जा रहा था। यह पारंपरिक नकल या पेपर लीक से कहीं अधिक खतरनाक है क्योंकि इसमें तकनीक का इस्तेमाल कर पूरी प्रणाली को भीतर से हैक किया जा रहा है। इन तीनों घटनाओं को एक साथ देखें तो एक भयावह तस्वीर उभरती है, एक ऐसी व्यवस्था, जहां प्रश्नपत्र सुरक्षित नहीं, मूल्यांकन विश्वसनीय नहीं और परीक्षा प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है। सबसे अधिक पीड़ित वह छात्र है, जो ईमानदारी से मेहनत करता है। ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों छात्र, जिनके माता-पिता ने कर्ज लेकर या जमीन गिरवी रखकर उन्हें कोचिंग दिलाई, आज सबसे ज्यादा निराश हैं। एक परीक्षा रद्द होने का मतलब केवल दोबारा परीक्षा देना नहीं होता बल्कि यह मानसिक तनाव, आर्थिक बोझ और आत्मविश्वास के टूटने का कारण बनता है। इस पूरे संकट का एक और खतरनाक पहलू है व्यवस्था के प्रति बढ़ता अविश्वास। जब छात्र यह मानने लगें कि सफलता मेहनत से नहीं बल्कि ह्यसेटिंगह्न से मिलती है तो यह केवल शिक्षा का नहीं बल्कि सामाजिक नैतिकता का भी पतन है। अब सवाल यह है कि समाधान क्या है? क्या हर बार जांच, गिरफ्तारी और बयानबाजी से काम चल जाएगा? स्पष्ट है कि नहीं। सबसे पहले परीक्षा प्रणाली में पूर्ण डिजिटल और एन्क्रिप्टेड मॉडल लागू करना होगा। प्रश्नपत्रों को परीक्षा से कुछ मिनट पहले तक सुरक्षित सर्वर में रखा जाए और सीधे केंद्रों पर डिजिटल रूप में उपलब्ध कराया जाए। इससे छपाई और परिवहन से जुड़ी कमजोरियां समाप्त होंगी। दूसरा, आउटसोर्सिंग व्यवस्था को सीमित करना होगा। संवेदनशील कार्यों में केवल प्रशिक्षित और जवाबदेह सरकारी कर्मचारियों की नियुक्ति होनी चाहिए। तीसरा, पेपर लीक को संगठित आर्थिक अपराध घोषित कर इसके लिए गैर-जमानती कठोर कानून बनाए जाएं। जब तक अपराधियों को कठोर सजा नहीं मिलेगी, तब तक यह धंधा बंद नहीं होगा। चौथा, साइबर निगरानी को मजबूत करना होगा। टेलीग्राम, डार्क वेब और एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म्स पर सक्रिय नेटवर्क को ट्रैक करने के लिए विशेष एजेंसियां बनाई जानी चाहिए। पांचवां, तकनीक को लागू करने से पहले उसका व्यापक परीक्षण और प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाए। सीबीएसई ओएसएम विवाद ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बिना तैयारी के लागू की गई तकनीक समाधान नहीं बल्कि नई समस्या बन सकती है।

भारत-बांग्लादेश संबंधों में बढ़ता अविश्वास

भारत और बांग्लादेश लगभग 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं, जो भारत की किसी भी पड़ोसी देश के साथ सबसे लंबी स्थलीय सीमा है। दोनों देशों के बीच गहरे सांस्कृतिक, भाषाई और ऐतिहासिक संबंध मौजूद हैं। पिछले एक दशक में भूमि सीमा समझौता, सीमा प्रबंधन, आतंकवाद विरोधी सहयोग, ऊर्जा व्यापार तथा क्षेत्रीय संपर्क परियोजनाओं में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई है। बांग्लादेश आज भारत का एक प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र को मुख्य भूमि से जोड़ने में भी उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत और बांग्लादेश के संबंध दक्षिण एशिया की कूटनीति में विशेष महत्व रखते हैं। वर्ष 1971 में बांग्लादेश की स्वतंत्रता के समय भारत ने जिस प्रकार राजनीतिक, सैन्य और मानवीय सहयोग प्रदान किया, उसने दोनों देशों के बीच मैत्री और विश्वास की मजबूत नींव रखी। पिछले पाँच दशकों में व्यापार, सुरक्षा, ऊर्जा, संपर्क, जल संसाधन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। भारत की ₹पड़ोसी प्रथम₹ नीति तथा बांग्लादेश की विकासोन्मुख विदेश नीति ने भी संबंधों को नई ऊँचाइयाँ प्रदान की हैं। इसके बावजूद हाल के वर्षों में दोनों देशों के संबंधों में तनाव और अविश्वास के संकेत दिखाई दिए हैं। यह स्थिति इस तथ्य को रेखांकित करती है कि पड़ोसी देशों के साथ संबंध केवल रणनीतिक हितों से संचालित नहीं होते, बल्कि उनमें संवेदनशीलताओं, जनभावनाओं और पारस्परिक सम्मान का भी महत्वपूर्ण स्थान होता है।

भारत और बांग्लादेश लगभग 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं, जो भारत की किसी भी पड़ोसी देश के साथ सबसे लंबी स्थलीय सीमा है। दोनों देशों के बीच गहरे सांस्कृतिक, भाषाई और ऐतिहासिक संबंध मौजूद हैं। पिछले एक दशक में भूमि सीमा समझौता, सीमा प्रबंधन, आतंकवाद विरोधी सहयोग, ऊर्जा व्यापार तथा क्षेत्रीय संपर्क परियोजनाओं में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई है। बांग्लादेश आज भारत का एक प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र को मुख्य भूमि से जोड़ने में भी उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इसलिए दोनों देशों के बीच विश्वास और सहयोग केवल द्विपक्षीय नहीं बल्कि पूरे दक्षिण एशिया की स्थिरता और समृद्धि के लिए आवश्यक है।

हाल के समय में बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में हुए बदलावों ने द्विपक्षीय संबंधों को प्रभावित किया है। सत्ता परिवर्तन, राजनीतिक अस्थिरता और विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच प्रतिस्पर्धा के कारण भारत की भूमिका को लेकर अलग-अलग धारणाएँ विकसित हुई हैं। बांग्लादेश के कुछ राजनीतिक समूहों में यह धारणा बनी कि भारत किसी विशेष राजनीतिक शक्ति के प्रति अधिक सहानुभूति रखता है, जबकि भारत अपनी ओर से स्थिरता और विकास को प्राथमिकता देने की बात करता रहा है। इस प्रकार की धारणाएँ चाहे तथ्यात्मक रूप से सही हों या नहीं, वे विश्वास के वातावरण को प्रभावित करती हैं और संबंधों में मनोवैज्ञानिक दूरी उत्पन्न करती हैं। तीस्ता नदी के जल बँटवारे का मुद्दा लंबे समय से दोनों देशों के बीच एक प्रमुख विवाद का विषय बना हुआ है। बांग्लादेश के लिए तीस्ता नदी का जल कृषि और आजीविका की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। कई वर्षों से प्रस्तावित समझौता विभिन्न कारणों से लंबित है, जिससे बांग्लादेश में यह भावना विकसित हुई है कि उसकी चिंताओं को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिल रही। भारत की संघीय व्यवस्था में राज्यों की भूमिका भी इस विषय को जटिल बनाती है, लेकिन समाधान में देरी ने अविश्वास को बढ़ावा दिया है। जल संसाधनों के न्यायसंगत और टिकाऊ प्रबंधन के बिना दीर्घकालिक विश्वास निर्माण कठिन प्रतीत होता है।

सीमा संबंधी मुद्दे भी संबंधों में तनाव का कारण बने हैं। तस्करी, अवैध आव्रजन और सीमा सुरक्षा की चुनौतियों के कारण कई बार सीमा पर अप्रिय घटनाएँ हुई हैं। नागरिक हताहतों की घटनाओं ने बांग्लादेश में व्यापक प्रतिक्रिया उत्पन्न की है और भारत की छवि पर भी प्रभाव डाला है। यद्यपि दोनों देशों की सीमा सुरक्षा एजेंसियाँ समन्वय बढ़ाने के प्रयास कर रही हैं, फिर भी ऐसी घटनाएँ आम लोगों के मन में नकारात्मक भावनाएँ पैदा करती हैं। पड़ोसी देशों के बीच सीमा केवल सुरक्षा का विषय नहीं होती, बल्कि मानवीय और सामाजिक संबंधों से भी जुड़ी होती है।

नागरिकता संशोधन अधिनियम (उअअ) और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (ठफ्ब) जैसे मुद्दों ने भी बांग्लादेश में कुछ आशंकाएँ उत्पन्न कीं। यद्यपि भारत ने बार-बार स्पष्ट किया कि ये उसकी आंतरिक नीतियाँ हैं, फिर भी बांग्लादेश में यह चिंता व्यक्त की गई कि इनका अप्रत्यक्ष प्रभाव भविष्य में दोनों देशों के संबंधों पर पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में नीतियों की वास्तविकता के साथ-साथ उनकी सार्वजनिक धारणा भी महत्वपूर्ण होती है और यही कारण है कि ऐसे मुद्दे कभी-कभी कूटनीतिक विमर्श का हिस्सा बन जाते हैं।

दक्षिण एशिया में चीन की बढ़ती सक्रियता भी भारत-बांग्लादेश संबंधों को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण कारक है। बांग्लादेश ने अपनी विकास आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए चीन सहित कई देशों के साथ आर्थिक और अवसंरचनात्मक सहयोग बढ़ाया है। भारत के लिए यह स्वाभाविक चिंता का विषय है कि क्षेत्र में किसी बाहरी शक्ति का अत्यधिक प्रभाव उसके रणनीतिक हितों को प्रभावित कर सकता है। दूसरी ओर बांग्लादेश अपनी विदेश नीति में संतुलन बनाए रखते हुए विभिन्न देशों से निवेश और तकनीकी सहयोग प्राप्त करना चाहता है। इस स्थिति में दोनों देशों के लिए पारदर्शिता और संवाद अत्यंत आवश्यक हो जाते हैं। व्यापारिक असंतुलन भी अविश्वास के कारकों में शामिल है। यद्यपि द्विपक्षीय व्यापार लगातार बढ़ रहा है, लेकिन इसका लाभ अपेक्षाकृत अधिक भारत को मिलता हुआ दिखाई देता है। बांग्लादेश लंबे समय से भारतीय बाजार में अपने उत्पादों की बेहतर पहुँच तथा गैर-शुल्क बाधाओं में कमी की मांग करता रहा है। आर्थिक संबंधों में असंतुलन की भावना यदि लंबे समय तक बनी रहे तो वह राजनीतिक संबंधों को भी प्रभावित कर सकती है। इसलिए आर्थिक साझेदारी को अधिक संतुलित और समावेशी बनाना समय की आवश्यकता है। सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों ने भी संबंधों को प्रभावित किया है। आज गलत सूचनाएँ, भ्रामक प्रचार और राष्ट्रवादी भावनाओं को भड़काने वाली सामग्री बहुत तेजी से फैलती है। कई बार छोटी घटनाएँ भी डिजिटल मंचों पर बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत की जाती हैं, जिससे दोनों देशों के नागरिकों के बीच गलतफहमियाँ उत्पन्न होती हैं। ऐसे वातावरण में सरकारों और मीडिया संस्थानों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वे तथ्यपरक संवाद को बढ़ावा दें और दुष्प्रचार पर प्रभावी नियंत्रण रखें। भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह अपने रणनीतिक हितों और पड़ोसी देशों की संवेदनशीलताओं के बीच संतुलन स्थापित करे। एक बड़ी क्षेत्रीय शक्ति होने के कारण भारत की नीतियों का प्रभाव उसके पड़ोसियों पर स्वाभाविक रूप से पड़ता है। इसलिए केवल राष्ट्रीय हितों पर केंद्रित दृष्टिकोण पर्याप्त नहीं है; पड़ोसी देशों की आशंकाओं और अपेक्षाओं को समझना भी उतना ही आवश्यक है। इसी प्रकार बांग्लादेश को भी यह समझना होगा कि भारत की सुरक्षा चिंताएँ, विशेषकर पूर्वोत्तर क्षेत्र से संबंधित प्रश्न, उसके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। दोनों देशों को एक-दूसरे की वैध चिंताओं का सम्मान करना होगा। विश्वास बहाली के लिए सबसे पहले लंबित मुद्दों के समाधान की दिशा में ठोस पहल आवश्यक है। तीस्ता जल समझौते को प्राथमिकता देकर दोनों देश एक सकारात्मक संदेश दे सकते हैं। सीमा प्रबंधन में मानवीय दृष्टिकोण अपनाना, संयुक्त गश्त और तकनीकी सहयोग को बढ़ाना भी आवश्यक है। व्यापारिक असंतुलन को कम करने के लिए बांग्लादेशी उत्पादों को भारतीय बाजार में अधिक अवसर दिए जा सकते हैं। ऊर्जा, परिवहन और संपर्क परियोजनाओं को गति देकर दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को और अधिक परस्पर निर्भर बनाया जा सकता है।

मोदी सरकार के 12 साल: भरोसे के हकीकत में बदलने का दौर

कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35 ए की समाप्ति हो चुकी है। दुनिया के किसी देश ने खुलकर इसका विरोध करने की हिम्मत नहीं दिखाई। बाबरी मस्जिद के स्थान पर राममंदिर का निर्माण हो चुका है तो तीन तलाक, सीएए, यूसीसी और यहां तक कि सर्जिकल स्ट्राइक के बाद ऑपरेशन सिन्दूर तक पर दुनिया के किसी देश की भारत के खिलाफ खुलकर आवाज उठाने की हिम्मत नहीं हो पाई।

-डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

यदि मॉर्निंग कंसल्ट की मानें तो स्वीकार्यता के मामले में कोई भी वैश्विक नेता नरेन्द्र मोदी के आसपास भी नहीं टिकता। विपक्षी पार्टियों द्वारा लगातार देश और विदेश में अभियान चलाने के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वीकार्यता के मामले में दूसरे वैश्विक नेताओं से बहुत आगे हैं। 68 प्रतिशत स्वीकार्यता नरेन्द्र मोदी की है जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की स्वीकार्यता लगातार नेगेटिव जा रही है। फालोवर्स के मामले में भी नरेन्द्र मोदी सबसे आगे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यह स्वीकार्यता निश्चित रुप से भारत ही नहीं दुनिया के अन्य देशों में भी उनकी लोकप्रियता और सर्वमान्यता को दशार्ती है।

नरेन्द्र मोदी सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए हैं। इस दौरान नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा ऐसे साहसिक निर्णय किये गये हैं जिनकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। माना तो यही जाता था कि कश्मीर में अनुच्छेद 370 और 35 ए हटाना, राममंदिर का निर्माण, डिजिटल क्रांति, वैश्विक नेतृत्व, नोटबंदी, एक देश एक कर, घर-घर शोचालय, घर-घर कचरा संग्रहण, रक्षा उपकरणों का निर्यात, किसान सम्मान, मेक इन इंडिया, इंडिया फर्स्ट, बड़ी अर्थव्यवस्था, तेजी से ढांचागत विकास, डिजिटल भुगतान, नक्सलवाद का खात्मा, आत्मनिर्भर भारत, परिवहन क्षेत्र में ढांचागत बदलाव आदि समय-समय पर की जाने वाली घोषणाएं केवल चुनाव जीतने के जुमले हैं पर लगभग असंभव माने जाने वाले यह काम आज धरातल पर उतरना सबसे बड़ी उपलब्धि है।

कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35 ए की समाप्ति हो चुकी है। दुनिया के किसी देश ने खुलकर इसका विरोध करने की हिम्मत नहीं दिखाई। बाबरी मस्जिद के स्थान पर राममंदिर का निर्माण हो चुका है तो तीन तलाक, सीएए, यूसीसी और यहां तक कि सर्जिकल स्ट्राइक के बाद ऑपरेशन सिन्दूर तक पर दुनिया के किसी देश की भारत के खिलाफ खुलकर आवाज उठाने की हिम्मत नहीं हो पाई। आज अर्थव्यवस्था में जिस तेजी से बदलाव आया है और चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के बाद अब तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की और तेजी से कदम बढ़ चुके हैं। जनधन योजना के समय जिस तरह से आलोचना का दौर चला था आज भुगतान में डिजिटलीकरण में इसकी बड़ी भूमिका तय हो चुकी है। जो लगभग असंभव माना जा सकता था वह आज डिजिटल भुगतान के माध्यम से संभव हो पाया है और पांच रु. के टमाटर का भुगतान भी सब्जीवाले तक को यूपीआई से आसानी से होने लगा है।

सरकारी सामाजिक सुरक्षा योजना के भुगतान, पेंशन, अनुदान आदि आज सीधे खातों में जाने लगे हैं। यह किसी दिवा स्वप्न से कम नहीं है। आईपीसी सीपीसी में बदलाव किया जा चुका है। तो जीएसटी में लाख कमियां गिनाने के बावजूद आज समूचा देश एक देश एक कर के छाते के नीचे आ चुका है। बुनियादी ढांचें में तेजी से बदलाव आया है। आज वंदे भारत और नमो भारत ट्रेन चलने लगी है तो 33 किमी प्रतिदिन हाईवे का निर्माण हो रहा है। एक्सप्रेस हाईवे से आवागमन आसान हुआ है। आयुष्मान योजना से 50 करोड़ लोगों को जोड़ा जा चुका है तो सस्ती जेनेरिक दवाओं की उपलब्धता का नेटवर्क विस्तारित किया गया है। आज 98 प्रतिशत घरों से घर घर कचरा संग्रहण होने लगा है तो अब घर-घर में शौचालय बन चुके हैं।

कोरोना के दौरान हमारे प्रयासों को सारी दुनिया द्वारा सराहा गया यहां तक कि कोरोना के दौरान जीवन रक्षक की भूमिका में भारत ने भूमिका निभाई। किसानों की आय में बढ़ोतरी के ठोस प्रयास हुए हैं तो किसान सम्मान निधि के माध्यम से किसानों को उनका आत्मसम्मान उपलब्ध कराया गया है। एमएसपी व्यवस्था में सुधार हुए हैं तो खेती किसानी के क्षेत्र में बदलाव छाप दिखाई दे रहा है। मेक इन इंडिया और इंडिया फर्स्ट भी आज साकार होता दिखाई दे रहा है। आज हम रक्षा उपकरणों का निर्यात करने लगे हैं तो सहस्त्रबलों के आधुनिकीकरण और निर्णय की स्वतंत्रता का परिणाम है कि आज सेनाएं आत्मगौरव के साथ आगे बढ़ रही। आज देश आत्मनिर्भर भारत की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। जहां तक कूटनीतिक स्तर पर सफलता की बात है तो भारत आज पिछलग्गू देशों में नहीं बल्कि दुनिया का नेतृत्व करने की स्थिति में आ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लाख प्रयासों के बावजूद भारत के खिलाफ कुछ खास कर नहीं पा रहे हैं। पाकिस्तान के पक्ष में आज तुर्किए जैसे एकाध को छोड़कर कोई देश बोलने की स्थिति में नहीं है। मालदीव को नरेन्द्र मोदी के एक फोटो ट्वीट ने सबक सिखा दिया तो दूसरे देश भी भारत की ताकत को समझने लगे हैं।

खैर, यह सब होते हुए भी नरेन्द्र मोदी सरकार के सामने अभी चुनौतियां कम नहीं हैं। रोजगार सृजन, प्रति व्यक्ति आय में अंतर, शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, जल जीवन मिशन के बावजूद पेयजल की सहज उपलब्धता, खेती की बरसात पर निर्भरता, परिसीमन आदि ऐसे बहुत से मुद्दे हैं जिन पर ठोस काम किया जाना है। देश में जिस तरह से पेपर लीक होने के मामले सामने आये हैं इससे युवाओं में निराशा हुई है उसे दूर करने की चुनौती सामने हैं तो स्टार्ट अप और कौशल विकास के बावजूद बेरोजगारी की दर अभी भी चिंतनीय स्तर पर है। साइबर क्राइम और गेमिंग जैसी नई चुनौतियां तो सोशल मीडिया के दुरुपयोग और अत्यधिक उपयोग के साइड इफेक्ट आदि अनेक समस्याएं समाधान चाहती है। देश आज तेजी से एक देश एक चुनाव के धरातल पर उतरने का इंतजार कर रहा है। रिन्यूवल एनर्जी पर बहुत कुछ हासिल करने के बावजूद अमेरिका ईरान युद्ध के कारण जिस तरह से तेल और एलपीजी का संकट आया है इसका भी दीर्घकालीन समाधान खोजा जाना है। समस्याएं अनवरत और नियमित प्रक्रिया है पर दीर्घकालीन योजनाओं से निपटा जा सकता है।

इस सबके बावजूद देशवासियों को नरेन्द्र मोदी के प्रति पूरा भरोसा है। यही कारण है कि विपक्ष की लाख आलोचनाओं के बावजूद नरेन्द्र मोदी की स्वीकार्यता और भरोसे व उनके आत्मविश्वास में किसी तरह की कमी नहीं आई है। हालांकि नरेन्द्र मोदी की अपार उपलब्धियों के बावजूद चुनौतियां भी अपार है और सबसे अच्छी बात यह कि देशवासियों का उनपर भरोसा भी पूरा है और वैश्विक स्वीकार्यता भी सबसे अधिक है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

केदारनाथ के 'रक्षक' हैं भैरव बाबा, इनके दर्शन के बिना अधूरी मानी जाती है तीर्थ यात्रा

हर एक शिवभक्त का सपना होता है कि एक दिन केदारनाथ धाम जरुर जाएं। अक्सर देखा जाता है कि लोग केदारनाथ बाबा के दर्शन तो कर लेते हैं, लेकिन काल भैरव के दर्शन करके नहीं आते हैं। माना जाता है कि इससे आपकी यात्रा अधूरी रह जाती है।

करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए केदारनाथ मंदिर आस्था का केंद्र है, लेकिन कई लोग आस-पास स्थित खास जगहों के बारे में कम ही जानते हैं। हर साल लाखों लोग देश-विदेश से केदारनाथ के दर्शन करने जाते हैं, लेकिन काल भैरव के दर्शन करना भूल ही जाते हैं। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि काल भैरव मंदिर कैसे जाएं और यह कहां पर स्थित है।

केदारनाथ में काल भैरव मंदिर कहां पड़ता है?

जब हम केदारनाथ मंदिर जाते हैं, तो यह वहां से ज्यादा दूर नहीं हैं। केदारनाथ से करीब 1 किमी की दूरी पर स्थित है यह मंदिर। यहां पहुंचने के लिए कोई वाहन नहीं जाता है, इसलिए इस मंदिर में जाने के लिए पैदल ही यात्रा करनी पड़ती है। यहां पहुंचने के लिए आपको करीब 15 से 20 मिनट की चढ़ाई करनी पड़ेगी। रास्ता काफी छोटा है, लेकिन चढ़ाई के कारण यहां समय लग जाता है।

कब जाना अच्छा है?

इस बात का ध्यान रखें कि यहां जाने के लिए आपको केदारनाथ की तरह पालकी ले जाने की जरुरत नहीं है। वहीं, हेलीकॉप्टर भी तक यहां तक नहीं जाता, दूरी कम है, इसलिए आपको पैदल ही सफर करना होगा। आप यहां सुबह 6 बजे से शाम 7 बजे तक दर्शन करके लौट आएं। वैसे यहां पर भीड़ कम होती है और सूर्यास्त के समय केदारनाथ घाटी का नजारा और सुंदर भी हो जाता है। ध्यान रखें कि, रात के समय यहां पर न जाएं, क्योंकि रास्ते में लाइट नहीं होने के कारण आपको परेशानी हो सकती है। दिन के समय में ही दर्शन करना अच्छा है।

श्रद्धालु कैसे दर्शन करने जाते हैं

- भक्तजन पहले केदारनाथ जाते हैं और इसके बाद होटल या धर्मशाला में अपना सामान रख देते हैं।
- केदारनाथ बाबा के दर्शन करने के बाद काल भैरव जाएं।
- जितना हो सके समय रहते हुए नीचे आ जाए, क्योंकि होटल आपको नीचे ही मिलेगा।
- वैसे काल भैरव के पास कोई भी होटल नहीं है, इसलिए आपको नीचे आना होगा।

यात्री इस बात का ध्यान रखें कि केदारनाथ यात्रा से पहले केदारनाथ मंदिर आता है, इसके बाद काल भैरव मंदिर आता है। केदारनाथ धाम के पीछे जा रहे रास्ते पर चढ़कर काल भैरव मंदिर पहुंचाना होता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

प्रमाण पत्र समय पर उपलब्ध कराने को लेकर जिला प्रशासन की महत्वपूर्ण पहल

पंचायत स्तर पर विशेष शिविर का आयोजन, अब घर के निकट बनेंगे जाति, आय व निवास प्रमाण पत्र

संवाददाता

साहिबगंज: आम नागरिकों को आगामी शैक्षिक सत्र, विभिन्न नियुक्तियों, छात्रवृत्तियों एवं अन्य सरकारी योजनाओं हेतु आवश्यक प्रमाण पत्र समय पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। इसके तहत जिले की सभी पंचायतों में जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र एवं आय प्रमाण पत्र के ऑनलाइन आवेदन प्राप्त कर उनका समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने हेतु विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। यह विशेष शिविर दिनांक 15 जून 2026, 16 जून 2026 एवं 17 जून 2026 को जिला अंतर्गत

सभी पंचायत सचिवालयों में प्रातः 10:30 बजे से अपराह्न 5:00 बजे तक आयोजित किए जाएंगे।शिविर के दौरान पंचायत सचिवालय में प्रतिनियुक्त कर्मियों एवं वीएलई सीएससी संचालकों द्वारा आवेदकों से आवश्यक दस्तावेज प्राप्त कर झारसेवा पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन दर्ज किए जाएंगे तथा आवेदन की प्राप्ति रसीद भी तत्काल उपलब्ध कराई जाएगी। प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध एवं नियमानुसार निष्पादन सुनिश्चित करने हेतु उपायुक्त द्वारा वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से सभी संबंधित को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। उपायुक्त ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया है कि शिविर के प्रत्येक दिन न्यूनतम तीन अलग-अलग कैंपों का निरीक्षण करेंगे एवं प्रतिनियुक्त कर्मियों का मार्गदर्शन करेंगे, साथ ही वरीय पदाधिकारी विशेष कैंप का स्वयं भ्रमण करते हुए औचक निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण करेंगे तथा किसी प्रकार की शिथिलता अनियमितता पाए जाने पर दण्डात्मक अनुशासत्मक कार्रवाई का प्रस्ताव उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने अनुमंडल पदाधिकारी एवं सभी अंचल अधिकारी को निर्देश दिया हैं कि प्राप्त सभी आवेदनों को नियमानुसार निर्धारित समय -सीमा के भीतर निष्पादित करेंगे।जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि पर अपने पंचायत सचिवालय पहुंचकर आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन कर इस सुविधा का लाभ उठाएँ।आपकी सुविधा, आपके

मासिक अपराध नियत्रंण गोष्ठी में एसपी ने कहा-

अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस को पूरी तरह सतर्क रहने की जरूरत

-चोरी की घटना में पूर्व में संलिप्त रहे लोगों का डाटा तैयार कर उस पर नजर बनाए रखें

साहिबगंज:पुलिस लाइन के पुलिस अधीक्षक कार्यालय स्थित सभागार कक्ष में रविवार को मासिक अपराध नियत्रंण गोष्ठी पुलिस अमित कुमार सिंह की अध्यक्षता मे हुई।अपराध गोष्ठी में एसपी ने थाना प्रभारियों को संबोधित करते हुए अपराध नियंत्रण सम्बंधी दिशा निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस को पूरी तरह सतर्क रहने की जरूरत है। किसी भी हाल में कोताही नहीं बरतें एसपी ने मोहर्रम पर्व को लेकर भीड़ से निपटने के लिए आवश्यक तैयारी करने, बैकअप प्लान तैयार करने,मोहर्रम समितियों सदस्यों की सूची तैयार करने, धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला गाना नहीं बजाना सुनिश्चित कराने,मोटरसाइकिल की चोरी और घरों में चोरी पर रोक लगाने का विशेष निर्देश

दिया।कहा कि रात्रि गश्ती पर विशेष फोकस करें। गश्ती के दौरान संदिग्ध लोगों की जांच करें।चौक चैराहों व सन्नाटों में बेवजह खड़े लोगों से पूछताछ करें। हर गली मोहल्लों में पेट्रोलिंग करें। चोरी की घटना में संलिप्त पूर्व में रहे लोगों का डाटा तैयार कर उस पर नजर बनाए रखें।उन्होंने थाना में लंबित कांडों की समीक्षा करते हुए जल्द से जल्द निष्पादन करने का निर्देश दिया। एसपी ने लाल वारंटियों को गिरफ्तार करने,सुचारू रूप से वाहन जांच अभियान चलाने अवैध लॉटरी, जुआ के अड्डे व गांजे जैसे अवैध कारोबार पर नकेल कसने का निर्देश दिया।उन्होंने जेल से छूटने वाले लोगों को चिन्हित कर उन पर पैनी नजर बनाए रखने का निर्देश दिया।साथ ही लोगों से बेहतर तालमेल बनाने,थानों में उनकी समस्या सुनने,सूचना तंत्र को मजबूत बनाने,जमीनी विवाद पर त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। मौके में सदर डीएसपी, सदर एसडीपीओ,बरहरवा एसडीपीओ राजमहल एसडीपीओ, जिला के सभी इंस्पेक्टर,पुलिस निरीक्षक सह नगर थाना प्रभारी, जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी,मुफ्फसिल थाना प्रभारी,बोरियो थाना प्रभारी,मिजाचौकी थाना थाना प्रभारी,बरहेट थाना प्रभारी,रांगा थाना प्रभारी सहित जिले के अन्य थाना प्रभारी मौजूद थे।

भारतीय जनता पार्टी की जिला संगठन बैठक संपन्न

सभी पदाधिकारी अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा व समर्पण के साथ करें

एजेंसी

साहिबगंज: भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के आदेशानुसार एवं झारखंड प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के निदेशानुसार बोरियो स्थित आनंद विवाह भवन में भारतीय जनता पार्टी की जिला संगठन बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता गौतम कुमार यादव ने की। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में अनंत कुमार ओझा उपस्थित रहे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 साल बेमिसाल कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों को लेकर कार्यकर्ताओं को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए और सभी कार्यक्रमों को बूथ स्तर तक सफलतापूर्वक आयोजित करने का आह्वान किया। बैठक में संगठनात्मक दृष्टिकोण से जिला प्रभारी अमृत पांडेय उपस्थित रहे। उन्होंने संगठन की मजबूती,बूथ सशक्तिकरण व आगामी कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया । कार्यकर्ताओं से संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया। जिला अध्यक्ष गौतम कुमार यादव ने संगठन की मजबूती पर विशेष बल देते हुए सभी जिला पदाधिकारियों को आगामी कार्यक्रमों के सफल संचालन व संगठन विस्तार को लेकर आवश्यक दायित्व लक्ष्य सौंपे। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारी अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा समर्पण के साथ करें,ताकि संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त बनाया जा सके।बैठक का संचालन जिला महामंत्री शलखु सोरेन ने किया। इस अवसर पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य धर्मेन्द्र कुमार,सभी जिला पदाधिकारी,मंडल अध्यक्ष,मंडल प्रभारी एवं अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में पार्टी द्वारा संचालित कार्यक्रमों की समीक्षा की गई तथा आगामी संगठनात्मक गतिविधियों एवं जनसंपर्क कार्यक्रमों की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन के निदेर्शानुसार आगामी कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संपन्न कराने तथा पार्टी की नीतियों एवं सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

उधवा प्रखंड इकाई की बैठक : किसी भी संगठन की मजबूती उसके जमीनी ढांचे पर निर्भर करती है: राजकुमार

संवाददाता

साहिबगंजः झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक की उधवा प्रखंड इकाई की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को मोहनपुर स्थित तरुण मंडल आवास में प्रखंड अध्यक्ष मोहम्मद नमउद्दीन की अध्यक्षता में बैठक की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में संघ के केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव और केंद्रीय उपाध्यक्ष फूल कुमारी देवी उपस्थित रहे। बैठक में संगठन की मजबूती, श्रमिकों की विभिन्न समस्याओं क्षेत्र की जनसमस्याओं पर व्यापक चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय

महामंत्री राजकुमार यादव ने कहा कि किसी भी संगठन की मजबूती उसके जमीनी ढांचे पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि गांव-गांव,टोला-टोला एवं पंचायत स्तर तक पंचायत कमेटियों का गठन किया जाना चाहिए,ताकि संगठन की पहुंच आम मजदूरों तक सुनिश्चित हो सके। राजकुमार यादव ने कहा कि क्षेत्र से लगातार हो रहे मजदूरों के पलायन पर रोक लगाने के लिए सरकार को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने होंगे।उन्होंने कहा कि स्थानीय रोजगार सृजन सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए,ताकि मजदूरों को अपने परिवार से दूर जाकर रोजगार की तलाश न करनी पड़े। बैठक में केंद्रीय उपाध्यक्ष फूल कुमारी देवी,मोहम्मद सैयद अख्तर,मोहम्मद गुलाम सरवर, मुख्लेश्वर रहमान,ललित सिंह, मुजफ्फर बदरुद्दीन शौकत अली सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जेजेए का बोरियो में हुआ संगठन विस्तार

एजेंसी

साहिबगंजःबोरियो बाजार स्थित पवन गुप्ता के आवास पर झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन जेजेए की बैठक आयोजित कि गई।बैठक की अध्यक्षता जेजेए बोरियो प्रखंड प्रभारी गोविंद ठाकुर ने की।बैठक का मुख्य उद्देश्य जेजेए संगठन के मजबूती के साथ अध्यक्ष,उपाध्यक्ष,सचिव, कोषाध्यक्ष पद का चयन किया।इस दौरान सर्वसम्मति से अध्यक्ष के पद पर पवन कुमार गुप्ता,उपाध्यक्ष सूरज सुधानंद,सचिव सोनू ठाकुर,कोषाध्यक्ष संजय कुमार पंडित,संयुक्त सचिव संजय कुमार मोदी एवं कार्यकारिणी सदस्य मानव कुमार दत्ता,मो मोहालिम का चयन

किया गया। संगठन में अध्यक्ष के तौर पर चयनित अध्यक्ष पवन कुमार गुप्ता ने कहा कि आये दिन पत्रकारों के साथ दुर्व्यवहार किया जाता है।पदाधिकारियों के द्वारा खबर लिखने के वजह से फर्जी मुकदमे में फंसाकर जेल भेजने की धमकी दी जाती है,जबकि पत्रकार सामाजिक बुराईयों,मसलों,और भ्रष्टाचार जैसे गंभीर मामलों को उद्भेदन करने में जिम्मेदारी निभाते हैं। इसलिए अब जेजेए के नेतृत्व में प्रखंड स्तर से लेकर राज्य स्तर तक पत्रकारों को एकसाथ लाने का प्रयास किया जा रहा है।मुझे अध्यक्ष पद पर चयन किया गया है,मैं और संगठन,पत्रकारों के हर मुशकिल वक्त में साथ रहूँगा,ताकि पत्रकारों के कठिनाइयों का सामना करना न पड़े, और बिना डर के पत्रकारिता कर सके।

इग्नू अध्ययन केंद्र 3605 में नवप्रवेशित शिक्षार्थियों के लिए इंडक्शन कार्यक्रम

ऑनलाइन माध्यम गूगल मीट से इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन

एजेंसी

साहिबगंज : इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय इग्नू अध्ययन केंद्र-3605 साहिबगंज कॉलेज साहिबगंज द्वारा जनवरी 2026 सत्र के नवप्रवेशित शिक्षार्थियों के लिए रविवार को ऑनलाइन माध्यम गूगल मीट से इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन अध्ययन केंद्र के परामर्शदाता कमल महावर ने किया। उन्होंने नवप्रवेशित शिक्षार्थियों का स्वागत करते हुए इग्नू की अध्ययन प्रणाली एवं कार्यक्रम के उद्देश्यों की जानकारी दी।अध्ययन केंद्र के समन्वयक डॉ.ध्रुव ज्योति कुमार

सिंह ने स्वागत भाषण में सभी शिक्षार्थियों का अभिनंदन करते हुए इग्नू की शैक्षणिक व्यवस्था,छात्र सहायता सेवाओं, असाइनमेंट,परीक्षा प्रणाली तथा पुनः पंजीकरण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी।उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि सितंबर 2026 में असाइनमेंट जमा करने एवं परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया होगी तथा दिसंबर 2026 में टर्म-एंड परीक्षा एवं पुनः पंजीकरण आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता साहिबगंज कॉलेज के प्राचार्य डॉ.सैयद रजा इमाम रिजवी ने की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन,अनुशासन एवं समय प्रबंधन के महत्व पर बल दिया तथा इग्नू द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे शैक्षणिक अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता इग्नू क्षेत्रीय केंद्र,देवघर के क्षेत्रीय निदेशक प्रभारी अरविंद मनोज कुमार सिंह ने इग्नू की विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों,डिजिटल सेवाओं व रोजगारोन्मुखी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया।विशिष्ट वक्ताओं के रूप में इग्नू क्षेत्रीय केंद्र,देवघर के सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ.हारिम कुरैशी एवं डॉ.आदित्य कुमार जायसवाल ने विद्यार्थियों को असाइनमेंट,परीक्षा,ऑनलाइन पोर्टल, छात्र सहायता सेवाओं तथा विश्वविद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक प्रक्रियाओं के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।कार्यक्रम के अंत में अध्ययन केंद्र के परामर्शदाता डॉ.बीर कुमार केशरी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों शिक्षकों पराम र्शदाताओं व शिक्षार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नवप्रवेशित शिक्षार्थियों ने भाग लिया तथा विशेषज्ञों से अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

न्यूज IN ब्रीफ

दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष मूल्यांकन शिविर कल से

साहिबगंज:दिव्यांगजन और वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराने हेतु भारत सरकार की एडीआईपी व राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत एएलआइएमसीओ रांची द्वारा जिले में विशेष का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर आगामी हूल दिवस 30 जून, 2026 के अवसर पर जिले के अधिकाधिक पात्र लाभुकों को योजना से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।जिला प्रशासन द्वारा सभी दिव्यांगजन एवं पात्र वरिष्ठ नागरिकों से अपील की गई है कि वे निर्धारित तिथि एवं स्थान पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर अपना पंजीकरण एवं मूल्यांकन कराएं, ताकि उन्हें आवश्यकता अनुसार सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जा सकें।

शिविर की तिथि – स्थान

-16 जून, 2026 स्थान अनुमंडल कार्यालय परिसर, साहिबगंज समय प्रातः 11:00 बजे से अपराह्न 05:00 बजे तक,लाभुक क्षेत्र साहिबगंज, मंडरो, बोरियो एवं साहिबगंज शहरी क्षेत्र

-17 जून, 2026

स्थान अनुमंडल कार्यालय परिसर, राजमहल,समय प्रातः 11:00 बजे से अपराह्न 05:00 बजे तक

लाभुक क्षेत्र तालझारी, राजमहल, उधवा और राजमहल शहरी क्षेत्र - 18 जून, 2026 स्थान प्रखंड कार्यालय परिसर बरहेट समय प्रातः 11:00 बजे से अपराह्न 05:00 बजे तक लाभुक क्षेत्र बरहेट, पतना, बरहरवा एवं बरहरवा शहरी क्षेत्र 16 व 17 जून, 2026 को छूटे हुए दिव्यांगजन दिनांक 18 जून, 2026 को बरहेट कार्यालय परिसर में आयोजित कैंप में भाग ले सकते हैं।

एडीआईपी योजना हेतु आवश्यक दस्तावेज

दिव्यांगता प्रमाण-पत्र युडीआईडी कार्ड, आय प्रमाण-पत्र मासिक आय 22,500 तक,आधार कार्ड

राष्ट्रीय वयोश्री योजना हेतु आवश्यक दस्तावेज,आयु 60 वर्ष या उससे अधिक आधार कार्ड की प्रति,आय प्रमाण-पत्र मासिक आय 15,000 से कम,उपायुक्त दीपक कुमार दुबे ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि शिविर के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं सफल आयोजन हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें, ताकि अधिक से अधिक पात्र लाभुक इन योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।जिला प्रशासन, साहिबगंज ने सभी पात्र दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाते हुए निर्धारित शिविर में अवश्य भाग लें तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़ें।

कर्म करते हुए गुरु भक्ति, सेवा और सम्मान ही सच्चा धर्म है:संत देवंती

– संत कबीर सत्संग भंडारा संपन्न
झारखंड–बिहार–बंगाल से जुटे श्रद्धालु

साहिबगंजःशहर के समलपुरी में संत सम्राट सदुरु कबीर साहेब का एक दिवसीय सत्संग व भंडारा का कार्यक्रम आयोजित हुआ।वही आयोजन संत देवंती साध्वी एवं उनके परिवारो ने कराया।इसमें झारखंड,बिहार और बंगाल से कई श्रोता,वक्ता,बैरागी व साध्वी शामिल हुए।सत्संग के मुख्य वक्ता गोड्डा से आए महंत अरुण साहब ने कहा कि जेठ पूर्णिमा सोमवार,ब्रह्म मुहूर्त में काशी के लहरतारा तालाब में कबीर साहेब का प्रकटीकरण हुआ था। उन्होंने बताया कि जीवन-मृत्यु, पाप-पुण्य,स्वर्ग-नरक और मुक्ति के सभी प्रश्नों का समाधान सत्संग गुरु शरण में है। कहा कि गुरु ही मुक्ति का मार्ग दिखाते हैं।कर्म करते हुए गुरु भक्ति, सेवा और सम्मान ही सच्चा धर्म है। कार्यक्रम में महंत रामानंद साहब,महंत गोपाल साहब,महंत मसूदन साहब,संत वेद आनंद साहिब,संत किशोर साहब, महंत शंकर दास समेत दर्जनों संत-महात्मा व साध्वियों ने प्रवचन दिया।समापन पर संत देवंती साध्वी के परिवार ने भंडारा कराया और अंगवस्त्र व धन देकर संत-महात्माओं को विदाई दी।

सात दिवसीय नौ कुंडिय शतचंडी महायज्ञ सह श्रीमद भागवत कथा अंतिम दिन

33 कोटि देवी –देवताओं का आह्वान कर किया गया यज्ञ मंडप का पूजन व हवन

साहिबगंजःशहर के मां बायसी मंदिर प्रांगण में सात दिवसीय नौ कुंडिय शतचंडी महायज्ञ सह श्रीमद भागवत कथा के सातवें व अंतिम दिन रविवार को वैदिक मंत्रोचारण के साथ 33 कोटि देवी देवताओं का आह्वान करके यज्ञ मंडप का पूजन व हवन किया।वही वैदिक मंत्रोचारण से जिला प्रदेश व जगत कल्याण सुख समृद्धि की कामना करके पूणार्हुति दिया गया।पूणार्हुति के साथ शतचंडी महायज्ञ विधिवत संपन्न हुआ।वही यज्ञ मंडप की परिक्रमा व पूजन करने सैकड़ो महिला पुरुष श्रद्धालु पहुंचकर पूजन करके यज्ञ मंडप की परिक्रमा किए।वैदिक मंत्रोचारण से पूरा क्षेत्र शुद्ध पवित्र भक्तिमय हो गया है।शहर भक्ति के रंग में डूबा हुआ था।यज्ञ समिति की ओर से भंडारा स्वरूप प्रसाद का आयोजन किया गया था,जिसमे सैकड़ों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।वही संध्या बेला वृंदावन धाम से आई कथा वाचिका सुदीक्षा कृष्णा ने श्रीमद भागवत कथा सह रासलीला में कहा कि जो लोग भगवान का नाम लेते है,नशा का सेवन न करते वो हमेशा खुशहाल होते है।उनका घर परिवार खुशहाल होता है,धन धन्य से घर जीवन भरा रहता है।मौके पर यज्ञ समिति के सदस्य उपस्थित थे।

फीफा विश्व कप 2026: यासिन अयारी के दो गोलों की बदौलत स्वीडन ने ट्यूनीशिया को 5-1 से रौंदा

एजेंसी

मोंटेरे : फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-एफ मुकाबले में स्वीडन ने सोमवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए ट्यूनीशिया को 5-1 से हराकर अपने अभियान की दमदार शुरूआत की। मोंटेरे स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में यासिन अयारी दो गोल दागकर जीत के नायक बने। स्वीडन ने मैच की शुरूआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और सातवें मिनट में बढ़त हासिल कर ली। यासिन अयारी ने बॉक्स के बाहर से जोरदार शॉट लगाकर गेंद को गोल में पहुंचाया। इसके बाद 30वें मिनट में स्टार स्ट्राइकर अलेक्जेंडर इसाक ने दूसरा गोल कर स्वीडन की बढ़त को दोगुना कर दिया। पहले हाफ के अंतिम क्षणों में ट्यूनीशिया ने वापसी की उम्मीद जगाई। ओमर रेकीक ने शानदार हेडर लगाकर टीम के लिए गोल किया और स्कोर 2-1 कर दिया। हालांकि दूसरे हाफ में स्वीडन ने मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया। 59वें मिनट में

विक्टर ग्योकेरेस ने तीसरा गोल कर ट्यूनीशिया की वापसी की संभावनाओं को लगभग खत्म कर दिया। इसके बाद मैच में उतरे स्थानापन्न खिलाड़ी मटियास स्वानबर्ग ने मैदान पर आने के मात्र 18 सेकंड के भीतर गोल दागकर स्वीडन की बढ़त 4-1 कर दी। इंजरी टाइम में एक बार फिर यासिन अयारी ने बॉक्स के बाहर से शानदार शॉट लगाकर अपना दूसरा और टीम का पांचवां गोल किया। इस जीत के साथ स्वीडन ने ग्रुप-एफ में तीन अंक हासिल कर शानदार शुरूआत की, जबकि ट्यूनीशिया को अपने अगले मुकाबले में वापसी की चुनौती का सामना करना होगा।

वेस्टइंडीज ने तीसरे टी-20 में श्रीलंका को 5 विकेट से हराया, सीरीज 2-1 से जीती

एजेंसी

जमैका : तेज गेंदबाज शमार जोसेफ की करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी और शेरफेन रदरफोर्ड की संयमित अर्धशतकीय पारी की बदौलत वेस्टइंडीज ने तीसरे और निर्णायक टी20 मुकाबले में सोमवार को श्रीलंका को 5 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरूआत अच्छी रही। कमिल मिशारा और पथुम निसांका ने तेज रन बनाए और टीम ने शुरूआती ओवरों में मजबूत स्थिति बना ली। पांचवें ओवर तक स्कोर 48/1 पहुंच गया था और बड़ा स्कोर बनने की उम्मीद दिख रही थी। हालांकि इसके बाद मैच का रुख पूरी तरह बदल गया। तेज गेंदबाज शमार जोसेफ ने अपने पहले ही ओवर में दो बड़े विकेट लेकर श्रीलंका की लय तोड़ दी। मिशारा 23 गेंदों पर 28 रन बनाकर आउट हुए और इसके बाद

श्रीलंका लगातार विकेट गंवाता चला गया। मध्यक्रम में दासुन शनाका और दुनिथ वेलालागे ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन शनाका के आउट होने के बाद दबाव और बढ़ गया। वेलालागे ने कुछ आक्रामक शॉट लगाकर टीम को संभालने का प्रयास किया, लेकिन अंतिम ओवर में फिर शमार जोसेफ ने तीन विकेट लेकर श्रीलंका को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया। श्रीलंका की टीम 20 ओवर में 169 रन पर सिमट गई। जोसेफ ने 5 विकेट लेकर 33 रन दिए और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला पांच विकेट हॉल दर्ज किया। 170 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरूआत धीमी रही। शुरूआती तीन ओवरों में सिर्फ 10 रन बने और कप्तान शाई होप जल्दी आउट हो गए। इसके बाद शिमरॉन हेटमायर ने तेज बल्लेबाजी करते हुए टीम को संभाला। मध्य ओवरों में श्रीलंका के स्पिनरों, खासकर वानिंदु हसरंगा, ने मैच में वापसी कराई और वेस्टइंडीज का स्कोर 10 ओवर में 64/4 हो गया। ऐसे समय में शेरफेन रदरफोर्ड ने जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने दबाव में बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 54 रन (40 गेंद) बनाए और टीम को जीत के करीब पहुंचाया। अंत में जेसन होल्डर ने तेजी से रन बनाते हुए मैच खत्म कर दिया। वेस्टइंडीज ने 19.4 ओवर में 170/5 बनाकर मुकाबला जीत लिया और सीरीज पर कब्जा जमा लिया।

विक्की कौशल ने गुरदास मान से की मुलाकात

खास पोस्ट साझा कर लिखा, 'फैन हूं, हमेशा रहूंगा, शुक्रगुजार हूं'

अभिनेता विक्की कौशल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने गुरदास मान के साथ तस्वीरें शेयर करते हुए उनकी तारीफ की है। अभिनेता विक्की कौशल सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहते हैं। फिल्मों और काम के अलावा वे निजी जिंदगी से जुड़ी झलकियां भी यहां फैंस के साथ साझा करते हैं। मगर, अपना हालिया पोस्ट उन्होंने पंजाबी सिंगिंग के सम्राट गुरदास मान के लिए लिखा है। विक्की ने पोस्ट में गुरदास के लिए सम्मान और प्यार दिखाया है।

गुरदास मान की गोद में सिर टिकाए नजर आए विक्की

विक्की कौशल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से आज शनिवार को एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने इसमें पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री के दिग्गज गायक गुरदास मान के साथ कुछ खास तस्वीरें शेयर की हैं। वे गुरदास मान की गोद में सिर टिकाकर लेटे हैं और मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। वहीं, दूसरी फोटो में गुरदास और विक्की दोनों पोज दे रहे हैं। गुरदास जहां सोफे पर बैठे हैं, वहीं विक्की जमीन पर बैठे हैं।

महिला हॉकी नेशंस कप 2026 : भारत की जीत के साथ शुरूआत, अमेरिका को 3-2 से हराया

ऑकलैंड : भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप 2026 के अपने पहले मुकाबले में दमदार वापसी करते हुए सोमवार को अमेरिका को 3-2 से हराकर टूर्नामेंट का विजयी आगाज किया। ऑकलैंड के नॉर्थ हार्बर नेशनल हॉकी सेंटर में खेले गए पूल-ए मुकाबले में भारत ने शुरूआती झटकों के बाद शानदार खेल दिखाया। मैच की शुरूआत भारत के लिए चुनौतीपूर्ण रही। अमेरिका ने आक्रामक खेल दिखाते हुए चौथे मिनट में एशले सेसा के फील्ड गोल से बढ़त बनाई। इसके बाद सातवें मिनट में मैडलिन जिमर ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अमेरिका को 2-0 की बढ़त दिला दी। दो गोल से पीछे होने के बाद भारतीय टीम ने धीरे-धीरे मैच पर पकड़ बनानी शुरू की। दूसरे क्वार्टर में वापसी कर रही ड्रैग-फ्लिक विशेषज्ञ दीपिका ने 17वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर अंतर कम किया। इसके बाद भारतीय टीम का दबाव लगातार बढ़ता गया। 24वें मिनट में भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला और दीपिका ने एक बार फिर शानदार कन्वर्जन करते हुए स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। बराबरी के बाद भारत ने अपनी लय बरकरार रखी और हाफ टाइम से पहले ही बढ़त हासिल कर ली। 28वें मिनट में नवनीत कौर ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को 3-2 की बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने कई मौके बनाए, लेकिन दोनों ओर की रक्षापंक्ति मजबूत रही। पूरे मैच में दोनों टीमों को छह-छह पेनल्टी कॉर्नर मिले, हालांकि कोई भी टीम आगे गोल नहीं कर सकी। भारत ने अंतिम क्षणों तक बढ़त बनाए रखी और महत्वपूर्ण तीन अंक अपने नाम किए। दो गोल करने वाली दीपिका को शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इस जीत के साथ भारतीय टीम पूल-ए में तीन अंकों के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गई।

सफलता का सफर आसान नहीं था : सुम्बुल तौकीर

हर चुनौती ने मुझे मजबूत बनाया

कहते हैं कि सपने बड़े देखो तो उसकी कीमत भी चुकानी पड़ती है और संघर्ष ही इस कीमत को वसूलता भी है। कई सफल टीवी शो का हिस्सा रह चुकीं अभिनेत्री सुम्बुल तौकीर ने अपने करियर के सफर, संघर्ष और सफलता को लेकर खुलकर बात की है। 'इमली' जैसे चर्चित टीवी शो से घर-घर में पहचान बनाने वाली सुम्बुल का कहना है कि एक सफल कलाकार बनने का उनका रास्ता आसान नहीं था, लेकिन हर अनुभव ने उन्हें आगे बढ़ने और बेहतर बनने की प्रेरणा दी। आईएएनएस से बातचीत में सुम्बुल ने बताया कि उनका सपना हमेशा से अभिनेत्री बनने का था। हालांकि, मनोरंजन जगत में उनकी शुरुआत डांस रियलिटी शो के जरिए हुई, लेकिन उनका लक्ष्य कैमरे के सामने अभिनय करना था। उन्होंने कहा कि खुशी है कि समय के साथ उन्हें अपने सपनों को पूरा करने का अवसर मिला। सुम्बुल ने बताया, 'मैं हमेशा से एक्टर बनना चाहती थी। इंडस्ट्री में मेरा सफर डांस रियलिटी शो से शुरू हुआ, लेकिन मेरा सपना अभिनय करना था। यह सफर बिल्कुल आसान नहीं रहा। मैंने अच्छे और बुरे दोनों तरह के अनुभव देखे हैं, लेकिन इन्हीं अनुभवों ने मुझे मजबूत बनाया और आगे बढ़ने का हौसला दिया। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें अपने निभाने हर किरदार से कुछ नया सीखने का मौका मिला है। उन्होंने कहा कि शुरुआती शोज से लेकर वर्तमान शो 'इत्ती सी खुशी' तक, अलग-अलग किरदारों को पर्दे पर जीवंत करना उन्हें बेहद पसंद है। उनके अनुसार, एक कलाकार के लिए हर किरदार एक नई चुनौती और सीख लेकर आता है। सुम्बुल ने यह भी माना कि कई बार दर्शक किसी कलाकार और उसके किरदार के बीच फर्क करना भूल जाते हैं। उन्होंने कहा कि जब कोई किरदार दर्शकों के दिलों तक पहुंचता है और लोग उस पर मजबूत प्रतिक्रिया देते हैं, तो यह कलाकार के काम की सबसे बड़ी सफलता होती है। उन्होंने कहा कि उन्हें अब तक निभाए गए सभी किरदारों पर गर्व है और भविष्य में भी नए और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने की इच्छा है। दर्शकों की सोच पर बात करते हुए सुम्बुल ने कहा कि लोग अक्सर पर्दे पर निभाए गए किरदारों के आधार पर कलाकारों की छवि बना लेते हैं। अगर कोई कलाकार नायक या नायिका की भूमिका निभाता है तो दर्शक उससे वास्तविक जीवन में भी वैसा ही व्यवहार करने की उम्मीद करते हैं।

वरुण धवन ने बताया सारा अली खान से पहली मुलाकात का किस्सा

अभिनेता वरुण धवन ने खुलासा किया था कि उनकी पहली मुलाकात सारा अली खान से तब हुई थी, जब वह महज करीब 15 साल की थीं। यह किस्सा उन्होंने साल 2020 में फिल्म 'कुली नंबर 1' के प्रमोशन के दौरान 'द कपिल शर्मा शो' में साझा किया था। शो में बातचीत के दौरान वरुण ने बताया कि उन्होंने सारा को पहली बार किशोरावस्था में देखा था और उसी समय उनकी मुलाकात हुई थी। बाद में दोनों ने फिल्म 'कुली नंबर 1' में पहली बार साथ काम किया। वरुण ने यह किस्सा अपने शब्दों में सुनाया, 'मेरी फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' रिलीज हो चुकी थी और मैं जिम गया था। चश्मा पहने एक लड़की फोन पर बात करते हुए इधर-उधर घूम रही थी। मैं लिफ्ट में जा रहा था और वह बाहर आ रही थी, लेकिन तभी वह अचानक मुड़ी और वापस लिफ्ट में आ गई। उसने मुझे घूरते हुए और साथ ही हंसते हुए किसी को फोन किया। मुझे ठीक-ठीक नहीं पता कि वह क्या करने की कोशिश कर रही थी। वरुण ने याद करते हुए कहा कि उन्होंने सोचा कि यह लड़की किससे बात कर रही है, क्योंकि लिफ्ट में नेटवर्क नहीं होता। फिर जब वरुण लिफ्ट से निकले तो सारा चुपचाप उनके पीछे-पीछे चलने लगीं। जब होस्ट कपिल शर्मा ने सारा से पूछा कि वह किससे बात कर रही थीं, तो उन्होंने माना कि वरुण का पीछा करते समय उन्हें बस कुछ करने का दिखावा करना था। 'कुली नंबर 1' की बात करें तो यह फिल्म डेविड धवन के निर्देशन में बनी है और वाशु भगनानी ने इसे अपने होम बैनर पूजा एंटरटेनमेंट के तहत प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म डेविड धवन की 1995 में आई उसी नाम की फिल्म का रीबूट है, जिसमें गोविंदा और करिश्मा कपूर ने काम किया था। दिलचस्प बात यह है कि यह फिल्म 1993 की तमिल ड्रामा फिल्म 'चिन्ना मपिल्लई' का रीमेक थी। 'कुली नंबर 1' में वरुण और सारा की जोड़ी पहली बार पर्दे पर नजर आई थी और इसके बाद से दोनों ने किसी भी प्रोजेक्ट में साथ काम नहीं किया है।

'तीन गुना लगान देना पड़ेगा'

- 25 साल बाद फिर गूंजा कैप्टन रसेल का डायलॉग, आमिर खान की टीम ने मनाया जश्न

अभिनेता आमिर खान की ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म 'लगान' ने अपनी रिलीज के 25 साल पूरे कर लिए हैं। इस अवसर पूरी स्टारकास्ट एक बार फिर साथ नजर आई। इस खास दिन को यादगार बनाने के लिए कलाकारों ने एक बेहद मजेदार वीडियो बनाया। शुक्रवार को फिल्म के कलाकार अखिलेंद्र मिश्रा ने इंस्टाग्राम पर पूरी स्टारकास्ट के साथ खास वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में फिल्म के निर्देशक आशुतोष गोवारिकर के साथ-साथ लगान की पूरी क्रिकेट टीम और अन्य कलाकार एक साथ नजर आ रहे हैं। वीडियो में सभी लोग खुश होकर कह रहे हैं, 'लगान के 25 साल पूरे।' हालांकि, वीडियो में मजेदार पल तब आता है, जब फिल्म में क्रूर ब्रिटिश अधिकारी कैप्टन एंड्रयू रसेल का किरदार निभाने वाले ब्रिटिश अभिनेता पॉल ब्लैकथॉर्न की एंट्री होती है। वह वीडियो के आखिरी में कहते हैं, 'तीन गुना लगान।' उनका यह डायलॉग सुनते ही वहां मौजूद सभी कलाकार और निर्देशक हंसने लगते हैं। इसके बाद अखिलेंद्र मिश्रा कैमरे के सामने आते हुए कहते हैं, 'हमारी फिल्म के 25 साल पूरे हो गए हैं और हम सभी आज यहां इकट्ठा होकर इस कामयाबी का जश्न मना रहे हैं। वीडियो पोस्ट करते हुए अभिनेता अखिलेंद्र मिश्रा ने लिखा, 'फिल्म 'लगान' को रिलीज हुए 25 साल पूरे हो गए हैं। फिल्म में आमिर खान (भुवन), ग्रेसी सिंह (गौरी), पॉल ब्लैकथॉर्न (कैप्टन रसेल) और राहेल शेली (एलिजाबेथ) समेत कई कलाकार अहम भूमिका में नजर आए थे। इसका संगीत ए.आर. रहमान ने तैयार किया था, जिसे आज भी म्यूजिक लवर्स पसंद करते हैं।

टॉम क्रूज के लिए क्रेजी हुईं फराह खान

हॉलीवुड सुपरस्टार के पोस्ट पर लिखी दिल की ख्वाहिश

हॉलीवुड सुपरस्टार टॉम क्रूज की दीवानगी पूरी दुनिया में हैं। भारत में भी उनके तमाम चाहने वाले हैं। इस लिस्ट में चर्चित कोरियोग्राफर फराह खान भी शामिल हैं। कोरियोग्राफर, निर्देशक और व्लॉगर फराह खान हॉलीवुड अभिनेता टॉम क्रूज के लिए क्रेजी हैं। सुपरस्टार के लिए उनकी दीवानगी किस कदर है, इसका अंदाजा उनके हालिया कमेंट से लगाया जा सकता है।

टॉम क्रूज ने की स्पिलबर्ग की तारीफ

हुआ यह कि टॉम क्रूज ने हाल ही में स्टीवन स्पिलबर्ग की हालिया रिलीज फिल्म 'डिस्क्लोजर डे' को लेकर पोस्ट साझा किया है। यह साइंस फिक्शन थ्रिलर मूवी 12 जून को रिलीज हुई। टॉम क्रूज ने फिल्म का लुत्फ उठाया और उन्होंने इसकी तारीफ करते हुए इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसी पोस्ट पर फराह खान का कमेंट आया है।

'हीर सारा और पुडुचेरी' को मिला कीर्ति का साथ

अभिनेत्री पत्रलेखा और मानवी गगरू स्टारर कॉमेडी ड्रामा 'हीर सारा और पुडुचेरी' बड़े पर्दे पर प्रदर्शित हो चुकी है। शुक्रवार को अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी ने फिल्म और मानवी गगरू को बधाई देते हुए एक दिलचस्प पोस्ट शेयर किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का क्लिप शेयर करते हुए लिखा, 'इस खास दिन पर मानवी गगरू को दिल से ढेर सारी बधाई और शुभकामनाएं। आप पहले से भी ज्यादा चमकें और फिल्म को खूब प्यार मिले, यही कामना है। ढेर सारा प्यार, बड़ी-सी झप्पी और हीर सारा की पूरी टीम को शुभकामनाएं। दोस्तों, जाइए और इस खूबसूरत फिल्म को अपने नजदीकी सिनेमाघरों में देखकर अपना प्यार दीजिए।'

मानवी गगरू के लिए लिखी खास बात

निर्देशक कार्तिक चौधरी द्वारा बनाई गई यह फिल्म दो महिलाओं की भावनात्मक यात्रा पर आधारित है, जो व्यक्तिगत संकटों और सामाजिक दबावों के बीच जीवन में मुक्ति और नया उद्देश्य तलाशती हैं। सारा (पत्रलेखा) एक महत्वाकांक्षी बाइकर हैं और हीर (मानवी गागरू) एक अन्य महिला हैं जो जीवन के अलग-अलग दौर से गुजर रही हैं। सारा अपनी मां को खोजने के लिए इंदौर से पांडिचेरी (पुडुचेरी) की यात्रा पर निकलती हैं, जबकि हीर अपने बॉयफ्रेंड की शादी को रोकने का प्रयास करती है। यह फिल्म पहचान, महिला दोस्ती और सामाजिक अपेक्षाओं के बंधनों से मुक्त होकर खुद को फिर से खोजने के साहस का जश्न मनाती है। फिल्म का निर्माण मेघा क्रिएशन्स (दिनेश सोनी), नेक्स्ट लेवल प्रोडक्शंस (नीरज रुहिल और सुभव शर्मा) और ऑप्टिकस इंक ने मिलकर किया है।

मप्र: महासंयोग में आस्था का महापर्व, सोमवती अमावस्या पर उज्जैन से चित्रकूट तक उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

एजेंसी

भोपाल : ज्येष्ठ अधिकमास (पुरुषोत्तम मास) के अंतिम दिन सोमवार को सोमवती अमावस्या, सूर्य संक्रांति और अमृत सिद्धि योग के दुर्लभ महासंयोग ने पूरे मध्य प्रदेश को आस्था और श्रद्धा के रंग में रंग दिया। उज्जैन की पावन शिप्रा से लेकर नर्मदा तट, चित्रकूट की मंदाकिनी और बांदकपुर के जागेश्वर धाम तक लाखों श्रद्धालुओं ने स्नान, दान, तर्पण और पूजा-अर्चना कर पुण्य लाभ अर्जित किया। प्रदेश के प्रमुख तीर्थस्थलों पर सुबह से ही कुंभ जैसे हालात नजर आए। प्रशासन को सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिए विशेष इंतजाम करने पड़े।

धमार्चार्यों के अनुसार वर्षों बाद ऐसा दुर्लभ संयोग बना है, जब सोमवती अमावस्या, अमृत सिद्धि योग, पुरुषोत्तम मास का समापन और सूर्य का मिथुन राशि में प्रवेश एक ही दिन हुआ। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन किया गया स्नान, दान, जप, तप, श्राद्ध और पितृ

तर्पण कई गुना अधिक फलदायी होता है।

उज्जैन के रामघाट और सोमकुंड पर कुंभ जैसा नजारा

धर्मनगरी उज्जैन में सोमवार तड़के ब्रह्ममुहूर्त से ही श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। शिप्रा नदी के रामघाट, दत्त अखाड़ा घाट और सोमकुंड पर हजारों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। घाटों पर हर-हर महादेव और जय श्री महाकाल के जयघोष गूंजते रहे। श्रद्धालुओं ने स्नान के बाद पितरों के निमित्त तर्पण, श्राद्ध और दान-पुण्य किया। घाटों पर पंडितों द्वारा विधि-विधान से पूजन कराया गया। अधिकमास के समापन के कारण इस बार श्रद्धालुओं की संख्या सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना अधिक रही। महाकालेश्वर मंदिर, हरसिद्धि मंदिर, कालभैरव मंदिर और अन्य प्रमुख मंदिरों में दर्शनार्थियों की लंबी कतारें लगी रहीं। सुबह से मंदिर परिसर भक्तों से खचाखच भरे रहे। ज्योतिषाचार्य पंडित अमर डिब्बेवाला के अनुसार अमृत सिद्धि योग और सोमवती अमावस्या का यह महासंयोग अत्यंत दुर्लभ है। इस दिन किए गए धार्मिक अनुष्ठानों का फल कई गुना बढ़ जाता है।

नर्मदापुरम में नर्मदा तट पर 30 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

नर्मदापुरम में सेठानी घाट सहित नर्मदा के प्रमुख घाटों पर सुबह पांच बजे से ही श्रद्धालुओं का जमावड़ा लगना शुरू हो गया था। अब तक करीब 30 हजार से अधिक श्रद्धालु नर्मदा स्नान कर चुके थे। सेठानी घाट, विवेकानंद घाट, गोंदरी घाट और पर्यटन घाट पर श्रद्धालुओं ने स्नान के बाद नर्मदा पूजन, दीपदान और दान-पुण्य किया। भोपाल, विदिशा, बैतूल, छिंदवाड़ा तथा महाराष्ट्र के नागपुर से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। रविवार रात से ही घाटों पर भजन-कीर्तन और जागरण का आयोजन चलता रहा। श्रद्धालुओं ने पूरी रात भक्ति गीतों के बीच बिताई और सुबह स्नान कर पुण्य अर्जित किया। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुलिस, होमगार्ड, राजस्व अमला और गोताखोर तैनात किए गए। घाटों पर लगातार अनाउंसमेंट कर लोगों को गहरे पानी में जाने से रोका गया।

सतना जिले की धर्मनगरी चित्रकूट में सोमवती अमावस्या पर लाखों श्रद्धालुओं ने मंदाकिनी नदी में स्नान किया। रामघाट, कामतानाथ मंदिर और पांच किलोमीटर परिक्रमा मार्ग पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने भगवान कामतानाथ की परिक्रमा कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। पूरा चित्रकूट भगवान श्रीराम और कामतानाथ स्वामी के जयघोष से गूंजता रहा। प्रशासन ने चार से पांच लाख श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना को देखते हुए विशेष सुरक्षा व्यवस्था की। पूरे मेला क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की गई। एडिशनल एसपी प्रेमलाल कुर्वे के नेतृत्व में पुलिस बल, 12 थाना प्रभारी, 250 से अधिक जवान, दो एसएएफ कंपनियां और एसडीईआरएफ की टीम तैनात रही। घाटों पर मोटरबोट और जीवनरक्षक उपकरण भी उपलब्ध कराए गए। बड़वानी जिले के प्रसिद्ध राजघाट स्थित रोहिणी तीर्थ पर हजारों श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा में स्नान कर सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया। सुबह ब्रह्ममुहूर्त से ही घाटों पर भक्तों की भीड़ लग गई थी। महिलाओं ने पीपल वृक्ष की परिक्रमा कर धागा बांधा और परिवार की खुशहाली तथा मनोकामनाओं की पूर्ति की प्रार्थना की। घाटों पर भजनों, शंखनाद और धार्मिक अनुष्ठानों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

श्रद्धालुओं ने स्नान के बाद अन्न, वस्त्र, फल और दक्षिणा का दान किया। कई लोगों ने पितरों की शांति के लिए तर्पण भी किया। पुलिस, गोताखोरों और एसडीआरएफ की टीम ने सुरक्षा व्यवस्था संभाली। घाटों पर महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग स्नान व्यवस्था की गई।

न्यूज IN ब्रीफ

प्लेटिनम, गोल्ड और सिल्वर कार्ड से पर्यटकों को लुभाएगा एचपीटीडीसी, होटल ऑक्यूपेंसी बढ़ी

शिमला : हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम (एचपीटीडीसी) अब अपने नियमित पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए प्लेटिनम, गोल्ड और सिल्वर कार्ड योजना शुरू करने जा रहा है। इन कार्डों के जरिए पर्यटकों को निगम के होटलों में ठहरने पर विशेष छूट और अन्य सुविधाएं मिलेंगी। पर्यटन निगम का मानना है कि यह योजना न केवल सैलानियों को लाभ पहुंचाएगी, बल्कि निगम को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में भी मददगार साबित होगी। एचपीटीडीसी के प्रबंध निदेशक राजीव कुमार ने बताया कि पर्यटन निगम को घाटे से उबारने के लिए कई नए कदम उठाए जा रहे हैं। प्लेटिनम, गोल्ड और सिल्वर कार्ड की वैधता क्रमशः तीन वर्ष, दो वर्ष और एक वर्ष होगी। कार्डधारकों को निगम के होटलों और पर्यटन सेवाओं में विशेष रियायतें दी जाएंगी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष हिमाचल में पर्यटन सीजन की शुरूआत सामान्य से कुछ देर से हुई। पड़ोसी राज्यों पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में गर्मियों की छुट्टियां 24 मई से शुरू होने के कारण पर्यटकों की आमद भी अपेक्षाकृत देर से बढ़ी। इसके बावजूद पर्यटन निगम के होटलों की औसत ऑक्यूपेंसी पिछले वर्ष के 63 प्रतिशत से बढ़कर करीब 70 प्रतिशत तक पहुंच गई है। इसके साथ ही निगम के राजस्व में भी लगभग सात प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। राजीव कुमार के अनुसार जून की भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक हिमाचल का रुख कर रहे हैं। इसका सीधा असर होटल कारोबार और पर्यटन गतिविधियों पर दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में भी पर्यटकों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। राजीव कुमार ने कहा कि पर्यटन निगम अब ऑनलाइन बुकिंग बढ़ाने पर भी जोर दे रहा है। इसके लिए विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्मों के साथ समझौते किए गए हैं। साथ ही जल्द ही भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के साथ भी करार किया जाएगा। उनका कहना है कि इस साझेदारी से एचपीटीडीसी की पहुंच देशभर के करोड़ों संभावित पर्यटकों तक बनेगी और हिमाचल के पर्यटन कारोबार को नई गति मिलेगी। मानसून सीजन को लेकर उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर कई बार छोटी-मोटी भूस्खलन या सड़क बाधित होने की घटनाओं को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है, जिससे पर्यटकों में अनावश्यक डर पैदा होता है। जबकि प्रशासन सड़क, बिजली और अन्य जरूरी सेवाओं को जल्द बहाल कर देता है। उन्होंने पर्यटकों से अपील की कि वे हिमाचल आने को लेकर किसी तरह की आशंका न रखें।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सीवान को देंगे 415 करोड़ की सौगात, पपौर में सहयोग शिविर से करेंगे विकास योजनाओं का शुभारंभ

सीवान : बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मंगलवार 16 जून को सिवान जिले के पचरुखी प्रखंड अंतर्गत पपौर पंचायत पहुंचेंगे। यहां वे सात निश्चय योजना-3 के तहत आयोजित 'सबका सम्मान, जीवन आसान' सहयोग शिविर में भाग लेंगे तथा जिले को 415.18 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं की सौगात देंगे। मुख्यमंत्री जन समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से आयोजित सहयोग शिविर में शामिल होंगे। इस दौरान वे जिले की कुल 44 विकास योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे। कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री 178.38 करोड़ रुपये की 18 योजनाओं का शिलान्यास तथा 236.80 करोड़ रुपये की 26 योजनाओं का उद्घाटन करेंगे। कुल मिलाकर 415.18 करोड़ रुपये की योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास उनके द्वारा किया जाएगा। इसके बाद मुख्यमंत्री विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए 20 स्टॉलों का निरीक्षण करेंगे। इन स्टॉलों में जीविका, स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, पंचायती राज, समाज कल्याण, ऊर्जा, परिवहन, सहकारिता, उद्योग, खेल, वन सहित अन्य विभागों की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी प्रदर्शित की जाएगी। निरीक्षण के उपरांत मुख्यमंत्री पपौर में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे तथा राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी लोगों को देंगे। जिला प्रशासन ने कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं और बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए व्यापक व्यवस्था की गई है।

बंगाल की सियासत में अचानक चर्चा में आई गुमनाम राजनीतिक पार्टी एनसीपीआई

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की राजनीति में इन दिनों जिस एनसीपीआई (नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया) का नाम अचानक सुर्खियों में आया है, वह कोई नया संगठन नहीं है। हालांकि अब तक राष्ट्रीय या राज्य स्तर की राजनीति में उसकी खास पहचान नहीं बन पाई थी, लेकिन तृणमूल कांग्रेस के विद्रोही सांसदों के उससे जुड़ने की चर्चाओं ने इस छोटे राजनीतिक दल को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। चुनाव आयोग के नियमों के तहत एनसीपीआई ने वर्ष 2022 में अपने गठन की सार्वजनिक घोषणा की थी। 13 अक्टूबर 2022 को एक अंग्रेजी समाचार पत्र और एक हिंदी दैनिक में प्रकाशित विज्ञापन के जरिए पार्टी ने अपने गठन, उद्देश्य और संगठनात्मक ढांचे की जानकारी दी थी। विज्ञापन में कहा गया था कि यदि किसी व्यक्ति या संगठन को पार्टी के नाम या गठन पर आपत्ति हो तो वह 30 दिनों के भीतर चुनाव आयोग को अपनी आपत्ति दर्ज करा सकता है। पार्टी का पंजीकृत कार्यालय हावड़ा जिले के बांकरा क्षेत्र के नटपाड़ा गांव में स्थित है। आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार कार्यालय का पता होल्डिंग नंबर 479, नटपाड़ा, बांकरा, हावड़ा है। राजनीतिक रूप से पार्टी की गतिविधियां मुख्य रूप से त्रिपुरा और असम के जनजातीय इलाकों तक सीमित रही हैं। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने कुछ सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन कोई उल्लेखनीय सफलता हासिल नहीं कर सकी। हाल के दिनों में एनसीपीआई के कार्यालय को लेकर भी राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हुई है। कार्यालय के प्रवेश द्वार पर उत्तिय कुंडू नामक व्यक्ति के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदर्शित होने की बात सामने आई है। स्थानीय स्तर पर उन्हें संगठन का प्रमुख चेहरा माना जा रहा है। उनकी तस्वीर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के साथ सामने आई है। वह मूल रूप से मोटिवेशनल स्पीकर के तौर पर काम करते हैं। हालांकि पार्टी की ओर से उनके पद और भूमिका को लेकर कोई विस्तृत आधिकारिक बयान सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि तृणमूल कांग्रेस के असंतुष्ट सांसदों द्वारा एनसीपीआई को संभावित राजनीतिक मंच के रूप में चुने जाने के पीछे उसकी अपेक्षाकृत छोटी संरचना और संगठनात्मक लचीलापन महत्वपूर्ण कारण हो सकता है। लोकसभा में अलग पहचान बनाने की कोशिश कर रहे सांसदों के लिए यह दल एक नए राजनीतिक ठिकाने के रूप में उभरा है। दरअसल, बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद तृणमूल कांग्रेस के भीतर बढ़े असंतोष और संगठनात्मक खींचतान के बीच एनसीपीआई पहली बार राज्य की मुख्यधारा की राजनीति में चर्चा का विषय बनी है।

मप्र: भोपाल-ग्वालियर में दो दिन आंधी-बारिश का अलर्ट, 30 से ज्यादा जिलों में बरसेंगे बादल

भोपाल : मध्य प्रदेश में प्री-मानसून गतिविधियां लगातार जोर पकड़ रही हैं। प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने भोपाल और ग्वालियर संभाग में अगले दो दिनों तक बारिश और तेज आंधी का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। वहीं आगर-मालवा, राजगढ़ और सीहोर जिलों में सोमवार को तेज आंधी को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार प्रदेश के ऊपर सक्रिय ट्रफ लाइन और प्री-मानसूनी सिस्टम के प्रभाव से अगले चार दिनों तक प्रदेश में कहीं बारिश तो कहीं तेज आंधी का दौर बना रहेगा। दक्षिण-पश्चिम मानसून अपनी सामान्य गति से थोड़ा पीछे चल रहा है, लेकिन आगामी तीन से चार दिनों में इसकी रफ्तार बढ़ सकती है। यदि मौजूदा परिस्थितियां अनुकूल रहीं तो 18 जून तक मानसून मध्य प्रदेश में प्रवेश कर जाएगा। इसके बाद प्रदेश में व्यापक और नियमित बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है।

इन जिलों में बारिश और तेज हवाओं की संभावना

मौसम विभाग के अनुसार भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, विदिशा, रायसेन, सीहोर, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, खंडवा, बुरहानपुर, देवास, शाजापुर, आगर-मालवा, रतलाम, मंदसौर, नीमच, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, अनूपपुर, शिवपुरी, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, अशोकनगर और गुना जिलों में दोपहर बाद गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। कई स्थानों पर तेज हवाएं और बिजली गिरने की आशंका भी बनी हुई है।

इन जिलों में फिलहाल मौसम रहेगा शुष्क

दूसरी ओर जबलपुर, नरसिंहपुर, सिंगरौली, सीधी, रीवा, मऊगंज, मैहर, सतना, पन्ना, दमोह, सागर, कटनी, उमरिया, शहडोल, टीकमगढ़, निवाड़ी, छतरपुर, खरगोन, बड़वानी, धार, झाबुआ और अलीराजपुर जिलों में मौसम अपेक्षाकृत साफ रहने की संभावना है। इन क्षेत्रों में बारिश की संभावना कम बताई गई है।

बागी सांसदों ने तृणमूल पर कब्जे की जगह थामा एनसीपीआई का दामन

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसदों द्वारा पार्टी की लोकसभा संसदीय इकाई पर नियंत्रण हासिल करने की कोशिश छोड़कर त्रिपुरा आधारित नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल होने के फैसले के पीछे दो प्रमुख कारण बताए जा रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों और कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि पार्टी के संविधान और राजनीतिक रणनीति ने बागी सांसदों को अपना रुख बदलने के लिए मजबूर किया। विश्लेषकों के अनुसार, पहला कारण तृणमूल कांग्रेस का संगठनात्मक ढांचा और उसका संविधान है, जो चुनाव आयोग के पास दर्ज है। पार्टी के मूल संविधान में राज्य कार्यकारी समिति को सर्वोच्च निर्णय लेने वाली इकाई माना गया था। बाद में संशोधित संविधान में राष्ट्रीय कार्यसमिति को सर्वोच्च अधिकार दिया गया, जिसका केंद्र पार्टी अध्यक्ष ममता बनर्जी हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि तृणमूल कांग्रेस में निर्वाचित प्रतिनिधियों की तुलना में संगठनात्मक पदाधिकारियों की शक्ति अधिक है। राष्ट्रीय कार्यसमिति और संगठन पूरी

तरह ममता बनर्जी तथा परोक्ष रूप से पार्टी के महासचिव अभिषेक बनर्जी के प्रभाव में हैं। ऐसे में लोकसभा में बहुमत होने के बावजूद बागी सांसदों के लिए पार्टी, उसके चुनाव चिह्न और वित्तीय संसाधनों पर नियंत्रण हासिल करना आसान नहीं था। इसी वजह से उन्होंने नई राजनीतिक पार्टी में शामिल होने का रास्ता चुना। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता विकास रंजन भट्टाचार्य ने दावा किया कि पूरे घटनाक्रम के पीछे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की रणनीति हो सकती है। उनका कहना है कि बागी सांसदों और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के बीच नई दिल्ली में हुई बैठकों से यह संकेत मिलता है कि बागी सांसदों का समर्थन संसद में महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसी कारण तृणमूल की संसदीय इकाई पर नियंत्रण की कोशिशों के बजाय नई पार्टी में शामिल होने की रणनीति अपनाई गई। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का यह भी मानना है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा में बागी विधायकों के बहुमत समूह बनने के बाद ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी द्वारा उठाए गए कदमों ने भी सांसदों को अलग रणनीति अपनाने के लिए प्रेरित किया। बागी गुट बनने के तुरंत बाद पार्टी नेतृत्व ने पुराने आंतरिक संगठनात्मक ढांचे और संबद्ध संगठनों की समितियों को भंग कर दिया तथा अपने प्रति वफादार नेताओं को शामिल कर नई समितियों का गठन किया। विश्लेषकों के अनुसार, इसी कदम के कारण लोकसभा और विधानसभा में समर्थन घटने के बावजूद ममता बनर्जी पार्टी की राष्ट्रीय कार्यसमिति और संगठनात्मक ढांचे पर अपना नियंत्रण बनाए रखने में सफल रहीं। यही वजह रही कि बागी सांसदों ने तृणमूल कांग्रेस के भीतर सत्ता संघर्ष जारी रखने के बजाय नई पार्टी का दामन थामना अधिक व्यावहारिक समझा।

आर्थिक सहायता हो या आवास, सरकार हर जरूरत पर खड़ी है साथ : योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

गोरखपुर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ह्यजनता दर्शनह्न में आए लोगों को विश्वास दिलाया कि आर्थिक सहायता हो या आवास, सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है। उन्होंने इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लगाने वालों से कहा कि आप एस्टिमेट बनवाइए और मरीज का ध्यान रखिए, इलाज की चिंता सरकार पर छोड़ दीजिए। वहीं आवास की मांग को लेकर पहुंचे फरियादियों को भी मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि सरकार हर जरूरतमंद को निरंतर प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री आवास दिला रही है। मुख्यमंत्री ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित ह्यजनता दर्शनह्न में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे लोगों से उन्होंने कहा कि सरकार इलाज में पूरी मदद करेगी। इसके लिए जरूरतमंद लोगों का आयुष्मान कार्ड बनवाया जाएगा, फिर भी जरूरत पड़ी तो विवेकाधीन कोष से सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर जरूरतमंद, पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनवाना सुनिश्चित किया जाए, ताकि उन्हें इलाज के लिए परेशान न होना पड़े। गोरखनाथ मंदिर परिसर में महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी करीब 200 लोगों से मिले। उनके पास जाकर समस्याएं सुनीं। उनके प्रार्थना पत्रों का अवलोकन कर समस्या, शिकायत का संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिया कि किसी को परेशान होने की जरूरत नहीं है, सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है। कुछ लोगों ने पुलिस व राजस्व से जुड़े मामलों में लेटलतीफी की शिकायत की, तो मुख्यमंत्री ने डीएम को तत्काल मामले का संज्ञान लेकर कार्रवाई के निर्देश दिए। योगी ने आवास, शिक्षा, चिकित्सा, बिजली, राजस्व, पुलिस आदि से जुड़े अलग-अलग मामलों के निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित करते हुए निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान सोमवार सुबह भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही।

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी आज इंदौर में महिला बाल विकास योजनाओं की करेंगी समीक्षा

एजेंसी

इंदौर : केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी आज सोमवार को इंदौर प्रवास पर आ रही हैं। वे यहां विभागीय योजनाओं की समीक्षा करेंगी। उनके साथ महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर भी मौजूद रहेंगी। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, दोनों मंत्रीगण इंदौर स्थित सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान के पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, गोमटगिरी, हातोद रोड, गांधीनगर में आयोजित समीक्षा बैठक में शामिल होंगी। यह बैठक प्रातः 9:00 बजे से 11:30 बजे तक आयोजित की जाएगी। केंद्र के सहायक निदेशक भवानी शंकर साल्वी ने बताया कि मंत्री द्वय द्वारा बैठक में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। साथ ही अन्य अभियान तथा प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी चर्चा की जाएगी। सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान के पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र में आयोजित होने वाली इस महत्वपूर्ण बैठक में विभागीय अधिकारियों एवं संबंधित हितधारकों की सहभागिता रहेगी।

सराफा बाजार में मामूली गिरावट फीकी पड़ी सोना और चांदी की चमक

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू सराफा बाजार में आज मामूली गिरावट का रुख बना हुआ है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,49,070 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,51,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,36,640 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,38,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में आज 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,49,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,36,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,49,070 रुपये प्रति

10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,49,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,36,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,51,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,38,590 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,49,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,49,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,36,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,49,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,36,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,49,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,36,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,49,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,36,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली कमजोरी दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,49,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,36,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इलाज के अभाव में बुजुर्ग महिला ने तोड़ा दम अंतिम संस्कार के लिए भी जुटाया गया चंदा

संवाददाता

गढ़वा: विकास के ऊंचे दावों के बीच गढ़वा जिले के मेराल प्रखंड की पूर्वी पंचायत स्थित खेरवार टोला से एक बेहद दर्दनाक और प्रशासनिक व्यवस्था को कटघरे में खड़ा करने वाला मामला सामने आया है। यहां रहने वाली 63 वर्षीय बुजुर्ग पार्वती मुसहर की रविवार दोपहर इलाज और बुनियादी सुविधाओं के घोर अभाव में मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, पार्वती लंबे समय से गंभीर रूप से बीमार चल रही थीं, लेकिन अत्यधिक गरीबी के कारण उन्हें समय पर उचित स्वास्थ्य सुविधा या दवा उपलब्ध नहीं हो सकी। सही इलाज न मिलने के कारण उनकी शारीरिक स्थिति लगातार बिगड़ती चली गई और अंततः उन्होंने अपने जर्जर घर में दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद से पूरे टोले में मातम पसरा हुआ है और स्थानीय लोगों में प्रशासनिक उदासीनता के खिलाफ गहरा आक्रोश देखा जा रहा है।

कफन-दफन के लिए भी नहीं थे पैसे: महादलित परिवार की पार्वती मुसहर की मृत्यु के बाद इस परिवार की बदहाली और बेबसी का जो मंजर सामने आया, उसने हर किसी को झकझोर कर रख दिया। परिवार की आर्थिक स्थिति इतनी ज्यादा कमजोर थी कि मृतका के शव के विधिवत अंतिम संस्कार और कफन-लकड़ी के लिए भी परिजनों के पास पर्याप्त संसाधन या पैसे उपलब्ध नहीं थे। जब इस मर्मांतक स्थिति की जानकारी स्थानीय ग्रामीणों, समाजसेवियों और पंचायत प्रशासन को मिली, तो उन्होंने तुरंत संवेदनशीलता दिखाई। समाजसेवी देवव्रत मेहता, देव कुमार राम, विनेश मेहता, दिनेश महतो, विनोद चौधरी तथा पंचायत सचिव राधा कुमारी ने तत्काल मौके पर पहुंचकर पीड़ित परिवार को आर्थिक और अन्य आवश्यक सहयोग प्रदान किया। इन सभी के सामूहिक प्रयास, तत्परता और चंदे की बदौलत ही पार्वती मुसहर का विधिवत अंतिम संस्कार संपन्न कराया जा सका।

आदिम युग जैसी जिंदगी जीने को मजबूर मुसहर समुदाय: इस दुखद घटना ने खेरवार टोला में रहने वाले मुसहर समुदाय की बदहाली को पूरी तरह उजागर कर दिया है। स्थानीय ग्रामीणों का साफ तौर पर कहना है कि वर्षों से इस अंचल में रहने के बावजूद लोग मूलभूत सरकारी योजनाओं का लाभ पाने के लिए आज भी दर-दर भटक रहे हैं। चुनाव आते हैं और नेता बड़े-बड़े वादे करके चले जाते हैं, लेकिन चुनाव खत्म होते ही उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं होता। ग्रामीणों के अनुसार, खेरवार टोला में रहने वाला यह पूरा समुदाय आज के डिजिटल और आधुनिक दौर में भी आदिम युग जैसी अभावग्रस्त जिंदगी जीने को विवश है। टोले के अधिकांश अत्यंत पिछड़े परिवारों के पास सिर छुपाने के लिए न तो पक्का आवास है, न रोशनी के लिए बिजली का कनेक्शन, न पेट भरने के लिए राशन कार्ड और न ही स्वच्छ पेयजल की कोई समुचित व्यवस्था है।

प्रशासन से मांगः बुजुर्ग महिला की इस तरह तड़प-तड़प कर हुई मौत के बाद टोले के ग्रामीणों में व्यवस्था के प्रति गहरा असंतोष है। पीड़ित ग्रामीणों ने जिला प्रशासन, उपायुक्त गढ़वा और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से पुरजोर मांग की है कि मुसहर समुदाय की इस बदहाली और दुर्दशा पर गंभीरता से ध्यान दिया जाए। उन्होंने जिला प्रशासन से अविलंब इस पूरे टोले में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ देने, सभी वंचित परिवारों के नए राशन कार्ड बनाने, टोले में बिजली के खंभे गाड़कर आपूर्ति बहाल करने, स्वच्छ पेयजल के लिए चापाकल लगवाने और सुदूरवर्ती क्षेत्र में नियमित रूप से सरकारी स्वास्थ्य शिविर (मेडिकल कैंप) लगाने की गुहार लगाई है, ताकि भविष्य में किसी अन्य असहाय और गरीब परिवार को ऐसी मर्मांतक परिस्थितियों का सामना न करना पड़े।

मोदी सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल में देश विकसित भारत बनने की ओर अग्रसरः सांसद

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनी नगरः सांसद विष्णु दयाल राम ने अपने आवासीय कार्यालय में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार के 12 वर्षों के शासन में देश विकसित भारत बनाने के लिए अग्रसर है। यह विश्वास किसी प्रचार से नहीं बना बल्कि कठिन समय में लिए लिए गए निर्णय राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की नीति और जनता के साथ सीधा संवाद से बना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार 22 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में जनता की सेवा कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने हमेशा कहा है कि सरकार की प्राथमिकता गरीब किसान, युवा और महिलाएं हैं। मोदी सरकार ने यह सिद्ध कर दिया है विकास तभी सार्थक होता है जब उसका लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचता है। सरकार के यह 12 वर्ष केवल शासन के नहीं बल्कि विश्वास विरासत और विकास के समन्वय के वर्ष रहे हैं जो आधुनिकता और सांस्कृतिक चेतना के साथ चल रहा है। पंचतीर्थ जनजातीय गौरव दिवस, स्टैचू ऑफ यूनिटी, कर्तव्य पथ, सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा ,नये संसद भवन ,राष्ट्रीय युद्ध स्मारक सहित अन्य निर्माण कार्य इसके उदाहरण है। पलामू सांसद बी राम ने कहा कि लोक सेवा के संकल्प में गरीबी उन्मूलन, स्वच्छता एवं बुनियादी सुविधाएं, छोटे उद्यमी एवं वंचित वर्ग, अंत्योदय कल्याण में किसान कल्याण, मध्यम वर्ग नई उड़ान, स्वास्थ्य आयुष्मान भव, सशक्तिकरण से समर्थ निर्माण में नारी शक्ति-महिला सशक्तिकरण युवा शक्ति क्रांति, एससी एसटी ओबीसी वंचितों को वरीयता, राष्ट्र निर्माण ही मिशन इंफ्रास्ट्रक्चर क्रांति आर्थिक महाशक्ति उत्पादन एवं रोजगार, राष्ट्र प्रथम ही मंत्र विदेश नीति नई पहचान, राष्ट्रीय सुरक्षा आतंक पर जीरो टॉलरेंस, विरासत भी विकास भी धरोहर संरक्षण धार्मिक सांस्कृतिक पुनः जागरण, योग भारत की सॉफ्ट पावर, गुलामी की मानसिकता से मुक्ति, तकनीक से जन-जन तक डिजिटल क्रांति, पूर्वोत्तर भारत दिल और दिल्ली के करीब, सामाजिक सुरक्षा का विस्तार, करोड़ो पासपोर्ट जारी होना भी सशक्त भारत का एक उदाहरण है। श्री राम ने कहा कि विकसित भारत का संकल्प 12 वर्ष की 12 बड़ी उपलब्धियां में 25 करोड लोग गरीबी रेखा से बाहर आए, चार करोड़ पक्के घर की गारंटी मिली, 60 करोड़ लोगों को आयुष्मान कार्ड,भारत योजना का लाभ, 3 करोड़ लखपति दीदी कर रही है नारी सशक्तिकरण, 57 करोड़ मुद्रा लोन से शुरू हुई स्वरोजगार की क्रांति, 12 करोड़ शौचालय से सुनिश्चित हुआ नारी सम्मान, 79 लाख करोड़ रिकॉर्ड निर्यात, सामाजिक सुरक्षा कवरेज 3 गुना से अधिक हुई, रिकॉर्ड 38000 करोड़ का रक्षा निर्यात, आरटीएस वंदे भारत जैसी विश्व स्तरीय ट्रेनों से कनेक्टिविटी को मिल रही है रफ्तार, यूपीआई ट्रांजेक्शन 12000 गुना हुआ, 34 लाख करोड़ का डिजिटल लेनदेन, नक्सल मुक्त भारत रेड कॉरिडोर और ग्रीन ग्रोथ जोन मुख्य रूप से शामिल है।

प्रेस वार्ता में वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल कुमार सिंह शिव कुमार मिश्रा, विजय ओझा ,ईश्वरी पांडे ,अलख दुबे, भोला पांडे ,छोटू सिन्हा ,सरवन गुप्ता ,संजय कुमार ,कौशल झा, अंकित सिंह ,संजय गुप्ता ,आशीष कुमार एवं अन्य पार्टी के सक्रिय सदस्य मौजूद थे।

सांसद के प्रयास से किशनपुर चौक पर बदला गया 200 केवीए का खराब ट्रांसफार्मर

मेट्रो रेज संवाददाता

मेदिनी नगर : पलामू सांसद विष्णु दयाल राम की पहल पर पाटन प्रखंड अंतर्गत किशनपुर चौक पर खराब हुए 200 केवीए ट्रांसफार्मर को बदलकर नया ट्रांसफार्मर लगाया गया। विदित है कि किशनपुर चौक पर लगे ट्रांसफार्मर विगत कुछ दिनों से खराब हो गया था जिससे लोगों के घरों,स्थानीय बाजार,स्टेट बैंक एवं ग्रामीण बैंक आदि मुख्य जगहों पर विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई थी और आम जन - जीवन प्रभावित हो गया था,स्थानीय लोगों ने ट्रांसफार्मर बदलवाने का अनुरोध किशनपुर मुखिया सह सांसद प्रतिनिधि सुमन गुप्ता से की जिसकी जानकारी सांसद को दी गई। सांसद श्री राम ने त्वरित करवाई करते हुए बिजली विभाग की अधीक्षण अभियंता एवं कार्यपालक अभियंता को इसे तत्काल बदलने की बात कही । जिस पर विद्युत विभाग के पदाधिकारी ने इसे गंभीरता से लेते हुए इसे तत्काल प्रभाव से बदलने का काम किया। ट्रांसफार्मर के लगने से लोगों को जहां इस भीषण गर्मी से राहत मिली है वही बिजली के ठप रहने से मायूसी छायी हुई व्यवसाईयों के चेहरे पर भी रौनक देखने को मिली। व्यवसायी वर्ग के लोगों ने कहा कि विद्युत आपूर्ति बाधित होने से उन्हें प्रतिदिन हजारों रुपए के नुकसान हो रहा था। दुकानदारों के अनुसार मोबाइल चार्जिंग, पेय पदार्थ और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से जुड़े कम ठप हो गए थे। किशुनपुर की मुखिया सह सांसद प्रतिनिधि सुमन गुप्ता ने सांसद का आभार जताते हुए कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए सांसद हमेशा तत्पर रहते है। मौके पर उपस्थित लोगों ने इस कार्य हेतु सांसद का दिल से आभार प्रकट किया। आभार प्रकट करने वाले लोगों में आदयानन्द झा,राकेश गुप्ता,श्रीकांत संतोष,गोबिंदा गुप्ता,रामनरेश तिवारी,राजू सोनी, विनोद सोनी,गौतम सोनी,श्याम कश्यप, सिंटू गुप्ता, लव सोनी, गज्जू मालाकार, देवेंद्र सोनी, सुधीर कश्यप व अन्य नाम शामिल है।

रसोई गैस सिलेंडर चोरी कर भाग रहे तीन युवकों को लोगों ने पकड़ा, किया पुलिस के हवाले

दुमकाः जिला पुलिस ने रसोई गैस सिलेंडर चोरी के आरोप में तीन युवकों को पकड़ा। उनकी निशानदेही पर चोरी का सिलेंडर खरीदने वाले एक व्यक्ति की भी गिरफ्तारी हुई है।

क्या है पूरा मामलाः दुमका नगर थाना क्षेत्र के दुधानी कुरुवा के इलाके के लोगों ने रविवार को टावर चौंक स्थित कुसुम गैस एजेंसी के सामने से डिलीवरी वाहन से सिलेंडर चोरी कर भाग रहे कुरुवा गांव निवासी तीन शातिर चोरों को धर दबोचा। लोगों ने पहले उसके हाथ बांध दिए और तीनों की थोड़ी बहुत पिटाई भी की। वहां से पुलिस को भी सूचित किया गया तब नगर थाना की पुलिस तीनों को साथ ले आई।

चोरी का सिलेंडर खरीदने वाला भी गिरफ्तारः गिरफ्तार तीनों युवकों की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी का सिलेंडर खरीदने वाले कुमारपाड़ा के दुकानदार भैरव सिंह को भी पकड़ा है। चारों पर मामला दर्ज कर रविवार देर शाम को जेल भी भेज दिया गया है।

इंडेन एजेंसी के संचालक ने बताया कि उनका कर्मी हरिहर मंडल रोज की तरह सिलेंडर डिलीवरी करने के लिए गाड़ी लेकर निकल रहा था। इस बीच वह दुकान के अंदर रसीद लेने गया, तभी तीन युवक गाड़ी से एक सिलेंडर उठाकर भाग गए। लोगों ने तीनों की भागते हुए तस्वीर ले ली। पूछताछ करने पर पता चला कि ये कुरुवा के रहने वाले कुणाल राणा, धनेश्वर मुर्मू और विष्णु प्रसाद साह तीनों शातिर चोर हैं। इसके पहले गांव के लोगों का भी सिलेंडर चोरी हो चुका है इसलिए सभी ग्रामीण पहले से आक्रोशित थे, गांव के लोगों ने तीनों को पकड़कर लिया।

ग्रामीणों ने किया पुलिस के हवालेः इस घटना की सूचना मिलने पर नगर थाना प्रभारी अशोक राम टीम के साथ मौके पर पहुंचे और तीनों को थाना लेकर आ गयी। पूछताछ में आरोपी कुणाल ने बताया कि वह कई बार साथियों की मदद से सिलेंडर चोरी कर दुकानदार भैरव सिंह को बेच चुका है। यह मामला सामने आने के बाद कि भैरव ने चोरी किया हुआ सिलेंडर वाहन मालिक को वापस कर मामले को रफादफा करने का प्रयास किया पर पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए उसे जेल भेज दिया। इस पूरे मामले पर थाना प्रभारी अशोक राम ने बताया कि तीन सिलेंडर चोर गिरफ्तार हुए हैं और उनकी निशानदेही पर एक खरीदार भी पकड़ा गया है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जारी है।

हुसैनाबाद पंचायत में दो दिन से बिजली आपूर्ति ठप, गहराया पेयजल संकट

स्थानीय जनप्रतिनिधि व बिजली विभाग से समस्या के समाणान की मांग

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनी नगरः हुसैनाबाद नगर पंचायत क्षेत्र के हरिजन स्कूल के पास स्थित ट्रांसफार्मर से पिछले दो दिनों से बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित है, जिससे आसपास के इलाके में ब्लैकआउट जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। बिजली नहीं रहने के कारण क्षेत्र के लोगों को पेयजल संकट का भी सामना करना पड़ रहा है।अधिकांश घरों में मोटर और पानी की व्यवस्था बिजली पर निर्भर होने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि उक्त ट्रांसफार्मर में पिछले एक सप्ताह से लगातार तकनीकी गड़बड़ी देखने को मिल रही थी। बीच-बीच में बिजली आपूर्ति बाधित हो रही थी, लेकिन समय रहते समस्या का स्थायी समाधान नहीं किए जाने के कारण अब आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई है। बिजली नहीं रहने से बच्चों की पढ़ाई, घरेलू कार्य तथा व्यापारिक गतिविधियां भी प्रभावित हो रही हैं। भीषण गर्मी के बीच लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों ने बिजली विभाग के अधिकारियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों से शीघ्र पहल कर आये खराबी को मरम्मत अथवा आवश्यक कार्रवाई कर विद्युत आपूर्ति बहाल कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो जनजीवन और अधिक प्रभावित होगा।

काली मंदिर में हुई मां की विशेष पूजा अर्चना

चक्रधरपुरः अमावस्या के दिन मां काली मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की गई और मां को खिचड़ी का भोग लगाया। इस अवसर पर मंदिर के पुजारी नील मोहन मुखर्जी ने कहा कि यूं तो प्रति शनिवार और मंगलवार को भक्तों की भीड़ उमड़ती है किंतु अमावस्या के दिन विशेष रूप से भक्तजन और श्रद्धालु उपस्थित होकर मां का दर्शन और पूजा अर्चना करते हैं और प्रसाद ग्रहण करते हैं।

एक पेड़ मां के नाम 3.0 अभियान

स्कूलों में 1.57 लाख पौधे लगाने की तैयारी

संवाददाता

दुमकाः पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से दुमका जिले में एक पेड़ मां के नाम 3.0 अभियान के तहत बड़े पैमाने पर पौधरोपण की तैयारी की गई है। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के निर्देश पर 5 जून से 30 सितंबर 2026 तक चलने वाले इस विशेष अभियान के तहत जिले के सरकारी, गैर सरकारी और सहायता प्राप्त विद्यालयों में कुल 1 लाख 57 हजार 625 पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

पर्यावरण जागरूकता के लिए पौधरोपण अभियान : जिला शिक्षा पदाधिकारी-सह-जिला कार्यक्रम पदाधिकारी द्वारा जारी निर्देश के अनुसार अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। विद्यालय परिसर में उपलब्ध भूमि के अनुसार पौधरोपण किया जाएगा। जिन विद्यालयों में पर्याप्त जमीन उपलब्ध नहीं है, वहां विद्यार्थियों को अपने घर, सार्वजनिक स्थलों, सड़क किनारे अथवा अन्य उपयुक्त स्थानों पर पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

पौधों के संरक्षण पर भी जोर : अभियान के तहत सिर्फ पौधरोपण ही नहीं, बल्कि पौधों के संरक्षण पर भी विशेष जोर दिया गया है। विद्यालयों को पौधों की नियमित देखभाल, निगरानी और उनके जीवित रहने की स्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही पौधरोपण से संबंधित प्रगति प्रतिवेदन निर्धारित समय पर ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड करने को कहा गया है।

स्कूलों में पौधरोपण का लक्ष्य तय : जिले के प्राथमिक विद्यालयों को प्रति विद्यालय 50 पौधे, मध्य विद्यालयों को 75 पौधे और उच्च एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को 100 पौधे लगाने का लक्ष्य दिया गया है। जिले के कुल 2558 विद्यालयों में यह अभियान चलाया जाएगा। प्रखंडवार लक्ष्य की बात करें तो दुमका में 21,900, जामा में 16,500, जरमुंडी में 18,725, रानीश्वर में 18,375 तथा शिकारीपाड़ा में 17,425 पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया गया है।

अभियान में सबकी भागीदारी जरूरीः शिक्षा विभाग ने सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारियों, विद्यालय प्रधानों, सीआरपी-बीआरपी और स्थानीय समुदाय से अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की है। विभाग का मानना है कि जनसहभागिता के माध्यम से यह अभियान पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगा और विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने में अहम भूमिका निभाएगा।

राजनगर में ट्रक और ट्रेलर की आमने-सामने टक्कर, चालक घायल

सरायकेला खरसावांः जिले के हाता-चाईबासा मुख्य मार्ग (एनएच-220) पर सोमवार अहले सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। राजनगर स्थित डीवीसी कार्यालय के पास ट्रक और ट्रेलर के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। दुर्घटना इतनी भयावह थी कि ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक केबिन में बुरी तरह फंस गया। पुलिस और स्थानीय लोगों की तत्परता से काफी मशक्कत के बाद चालक को बाहर निकालकर उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) राजनगर भेजा गया। हादसे में ट्रेलर चालक भी घायल हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह करीब पांच बजे ट्रक चाईबासा की ओर जा रहा था। इसी दौरान डीवीसी के पास विपरीत दिशा से आ रहे ट्रेलर से टक्कर हो गई। टक्कर की तीव्रता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि ट्रक के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए, जबकि ट्रेलर सड़क किनारे पलट गया। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

ग्रामीणों और पुलिस की मदद से चालक का रेस्क्यू : सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंचे तथा राहत कार्य में जुट गए। चालक को केबिन से बाहर निकालने में काफी समय और मेहनत लगी। बाद में पुलिस की मदद से घायल चालक को पुलिस वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजनगर पहुंचाया गया, जहां उसका प्राथमिक उपचार किया जा रहा है। ट्रेलर चालक को भी चोटें आई हैं।

दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल 108 एम्बुलेंस सेवा को सूचना दी, लेकिन काफी देर तक एम्बुलेंस घटनास्थल पर नहीं पहुंची। इससे लोगों में नाराजगी देखी गई। घायल चालक के दर्द से कराहते रहने के बावजूद एम्बुलेंस के नहीं पहुंचने पर पुलिस वाहन से उसे अस्पताल ले जाया गया। लोगों ने आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि हादसे की स्थिति में समय पर एम्बुलेंस उपलब्ध होना बेहद जरूरी है।लोगों का मानना है कि प्रारंभिक तौर पर दुर्घटना का कारण तेज रफ्तार और वाहन नियंत्रण खोना माना जा रहा है, हालांकि सही कारण जांच के बाद ही स्पष्ट हो।